राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 14
अंक : 311
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
शनिवार 04 अक्टूबर 2025
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट
पेज 3 रेरा की बड़ी कार्रवाई : ए.एस.जी.आई प्रॉपर्टीज पर एफआईआर दर्ज
पेज 4 पीलीभीत रामलीला मैदान में रावण वध और पुतला दहन के
पेज 6 रवींद्र जडेजा ने धोनी को पीछे छोड़ा, टेस्ट में चौथे सबसे ज्यादा

संक्षिप्त खबरें

चैतन्यानंद 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

नई दिल्ली। छात्राओं के यौन शोषण का आरोपी स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थ सारथी को पटियाला हाउस कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। चैतन्यानंद की पांच दिन की पुलिस हिरासत आज खत्म हो गई थी। जिसके बाद दिल्ली पुलिस उसे पटियाला हाउस कोर्ट लेकर पहुंची थी। वहीं, कोर्ट ने चैतन्यानंद ने 3 आवेदनों पर पुलिस से जवाब मांगा है। इसमें उसकी चीजों की सूची, केस की जानकारी, संन्यासी के खाने-पीने, कपड़े, दवाइयां और किताबें देने की बात शामिल है। इधर, दिल्ली पुलिस ने चैतन्यानंद की तीन करीबी महिला सहयोगियों को गिरफ्तार किया है।

हाईकोर्ट बोला- विजय की पार्टी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती

मदुरै। मद्रास हाईकोर्ट ने करूर भगदड़ की जांच के लिए विशेष जांच दल गठित किया है। इसकी अगुआई तमिलनाडु पुलिस के इंस्पेक्टर जनरल असरा गर्ग करेंगे। जस्टिस एन सेंथिलकुमार ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि घटना के बाद विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कजगम ने घटनास्थल छोड़ दिया और कोई माफी या पछतावा तक नहीं दिखाया। इस घटना को पूरी दुनिया ने देखा है, पार्टी अपनी आंखें बंद करके जिम्मेदारियों से बच नहीं सकती है। इसके साथ हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने सीबीआई जांच की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया।

सुरक्षा

उत्तरप्रदेश : बरेली में पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच झड़प के एक सप्ताह बाद, शुक्रवार की नमाज के मद्देनजर पुलिसकर्मी संवेदनशील क्षेत्र में मौजूद रही।

एनसीआरबी रिपोर्ट- शादी के लिए 16,737 लड़कियों का अपहरण

देश में बाल-विवाह के मामले 6 गुना बढ़े, असम में सबसे ज्यादा केस

नई दिल्ली। देश में बाल विवाह रोकने के लिए सख्त कानून होने के बावजूद हालात चिंताजनक होते जा रहे हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2023 में बाल विवाह के लिए 16,737 लड़कियों और 129 लड़कों का अपहरण किया गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 में बाल विवाह के मामले 2022 की तुलना में छह गुना बढ़ गए। साल 2023 में 6,038 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2022 में केवल 1,002 और 2021 में 1,050 मामले दर्ज हुए थे।

इस तरह तीन सालों में बाल विवाह से जुड़े मामलों में अचानक बड़ी बढ़ोतरी देखी गई है। सबसे ज्यादा मामले असम में दर्ज हुए, जहां अकेले 5,267 केस सामने आए। यह पूरे देश में दर्ज कुल मामलों का करीब 90 प्रतिशत है।

इसके अलावा, तमिलनाडु में 174, कर्नाटक में 145 और पश्चिम बंगाल में 118 मामले दर्ज हुए। वहीं, छत्तीसगढ़, नगालैंड, लद्दाख और लक्षद्वीप में साल 2023 में एक भी केस दर्ज नहीं हुआ।

कानून में शादी करवाने वालों पर भी सजा का प्रावधान

इस रिपोर्ट के आने के बाद विशेषज्ञों का कहना है कि ये डेटा बताता है कि बाल विवाह के खिलाफ कानून होने के बावजूद जमीनी स्तर पर अभी भी जागरूकता और सख्त कार्रवाई की जरूरत है। दुनिया के एक तिहाई बाल विवाह भारत में होते हैं।

बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के तहत 18 साल से कम उम्र की लड़की और 21 साल से कम उम्र के लड़के का विवाह करना प्रतिबंधित है। इतना ही नहीं, जो लोग शादी करवाते हैं या उसमें मदद करते हैं, उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाती है।

जानलेवा हो सकता कफ सिरप

केंद्र सरकार की एडवाइजरी; एमपी-राजस्थान में कफ सिरप के सैंपल में टॉक्सिन केमिकल नहीं मिला

2 साल से छोटे बच्चों को कफ सिरप नहीं दें

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को हेल्थ एडवाइजरी जारी करके कहा कि दो साल से कम उम्र के बच्चों को कफ सिरप (खांसी और सर्दी की दवाएं) न दी जाएं। सरकार ने मध्य प्रदेश और राजस्थान में कफ सिरप से 11 बच्चों की मौत की खबरों के बाद एडवाइजरी जारी की है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने ये भी बताया कि दोनों राज्यों से बच्चों की मौत से जुड़े कफ सिरप के सैंपल में किडनी को नुकसान पहुंचाने वाले कोई टॉक्सिन केमिकल नहीं मिला है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले DGHS ने एडवाइजरी में कहा कि आमतौर पर पांच साल से कम उम्र के बच्चों को कफ सिरप नहीं दिया जाना चाहिए। इससे बड़े बच्चों को यदि कफ सिरप दिया जाना है तो उनका उपयोग सावधानीपूर्वक किया जाना चाहिए। यानी जिस बच्चे को दवा दी जा रही है, उसे कड़ी निगरानी में रखा जाए। उसे उचित खुराक दी जाए। कम से कम समय के लिए दवा दी जाए। कई दवाओं के साथ कफ सिरप नहीं दिया जाए। DGHS की डॉ. सुनीता शर्मा ने यह एडवाइजरी जारी की है।

सिरप के नमूनों में खतरनाक केमिकल नहीं मिला

मंत्रालय ने मध्य प्रदेश में 9 और राजस्थान में 2 बच्चों की मौतों को कफ सिरप से जोड़ने वाली खबरों पर भी स्पष्टीकरण जारी किया है। मंत्रालय ने बताया कि नेशनल सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी , द सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन सहित अन्य एजेंसियों ने कफ सिरप, ब्लड और अन्य सैंपल कलेक्ट किए थे। मंत्रालय ने बताया कि मध्य प्रदेश की राज्य खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने भी तीन नमूनों की जांच की, जिनमें डाइएथिलीन ग्लाइकोल या एथिलीन ग्लाइकोल नहीं मिला। वहीं, NIV पुणे की जांच में एक मामले में लेप्टोस्पायरोसिस संक्रमण की पुष्टि हुई है।

सभी क्लिनिक अच्छी कंपनी की दवा खरीदें

सभी स्वास्थ्य सेवा केंद्रों और क्लिनिक से कहा गया है कि वे अच्छी कंपनी की और फार्मास्युटिकल-ग्रेड दवाएं खरीदें। यह एडवाइजरी सभी गवर्नमेंट मेडिकल स्टोर्स, प्राइमरी हेल्थ सेंटर, कम्युनिटी हेल्थ सेंटर, जिला अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों में लागू की जाए।

सीजेआई गवई बोले- बुलडोजर एक्शन का मतलब कानून तोड़ना

सरकार एक साथ जज, जूरी और जल्लाद नहीं बन सकती

नई दिल्ली। चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय न्याय व्यवस्था रूल ऑफ लॉ यानी (कानून के शासन) से चलती है, इसमें बुलडोजर एक्शन की जगह नहीं है। सीजेआई मॉरीशस में आयोजित सर मॉरिस रॉल्ट मेमोरियल लेक्चर 2025 में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने हाल के फैसले में अदालत ने स्पष्ट किया था कि किसी आरोपी के खिलाफ बुलडोजर चलाना कानून की प्रक्रिया को तोड़ना है। ष्टद्धढ्ढ ने कहा- सरकार एक साथ जज, जूरी और जल्लाद नहीं बन सकती। बुलडोजर शासन संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के संरक्षण के अधिकार) का उल्लंघन है।

लेक्चर के दौरान मॉरीशस के राष्ट्रपति धरमबीर गोखूल, प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम और मुख्य न्यायाधीश रेहाना मंगली गुलबुल भी मौजूद थे।

तीन तलाक जैसे अन्यायपूर्ण कानून खत्म किए

सीजेआई ने तीन तलाक खत्म करने, व्यभिचार कानून को निरस्त करने, चुनावी बॉन्ड स्कीम और निजता को मौलिक अधिकार मानने जैसे फैसलों का भी जिक्र किया। गवई ने कहा कि इन सभी फैसलों ने दिखाया कि अदालत ने रूल ऑफ लॉ को एक ठोस सिद्धांत बनाया है, जिससे मनमाने और अन्यायपूर्ण कानून खत्म किए गए।

सीजेआई गवई ने कहा कि भारत में रूल ऑफ लॉ केवल नियमों का सेट नहीं है, बल्कि यह नैतिक और सामाजिक ढांचा है, जो समानता, गरिमा और सुशासन सुनिश्चित करता है। उन्होंने महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान का हवाला देते हुए कहा कि उनका दृष्टिकोण बताता है कि लोकतंत्र में कानून का राज ही समाज को न्याय और जवाबदेही की ओर ले जाता है।

हैप्पी मॉर्निंग

लड़की- सो गया मेरा शोना
लड़का- हां लड़की- तो फिर मेरे शोने ने रिप्लाई कैसे किया? लड़का- बहूरानी, मैं तुम्हारे शोने का बाप हूं कल तेरे शोने का Exam है, अगर तेरा शोना फेल हो गया न, तो मैं तेरे शोने को इतना मारुंगा कि सोने लायक नहीं बचेगा.....

शायरी

क्या मोल लग रहा है शहीदों के खून का
मरते थे जिन पे हम वो सज़ा-याब क्या हुए

हरियाणा में एमबीबीएस एंट्रेंस एग्जाम में घोटाले का आरोप

- हाईकोर्ट का केंद्र-रोहतक पीजीआई को नोटिस; पूर्व सैनिकों की रिजर्व सीटें स्वतंत्रता सेनानी आश्रितों को दी

चंडीगढ़। हरियाणा में एमबीबीएस प्रवेश प्रक्रिया एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। पिछले साल की तरह दाखिले में घोटाले का आरोप लगाया गया है।

देव धारीवाल और अन्य अभ्यर्थियों ने नियमों के खिलाफ प्रवेश देने पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

कोर्ट को बताया गया कि इस वर्ष भी प्रवेश प्रक्रिया में धांधली कर पात्र उम्मीदवारों को बाहर कर दिया गया और सीटों का आवंटन नियमों के विपरीत किया गया है। याची पक्ष के

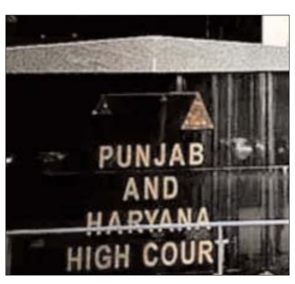

वकील प्रदीप सौलथ ने बेंच को बताया कि याचिकाकर्ता दिव्यांग पूर्व सैनिकों के आश्रित हैं और उन्होंने पूर्व सैनिक कोटे के तहत एमबीबीएस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए आवेदन किया था, लेकिन प्रवेश कमेटी ने अवैध रूप से पूर्व सैनिकों की निर्धारित सीटों को स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों के नाम कर दिया।

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि यह पूरी तरह से सरकार की अधिसूचनाओं के विरुद्ध है। इस साल नीट परीक्षा 2025 में हरियाणा से 60 हजार 687 छात्रों ने पंजीकरण कराया था और परीक्षा दी थी।

सरकार पूर्व सैनिक कोटे की सीटों का नियम बना चुकी

प्रदीप सोलथ ने कोर्ट को बताया कि हरियाणा सरकार ने 27 अक्टूबर 2021 और 20 अप्रैल 2022 की अधिसूचनाओं में साफ कर दिया था कि केवल वे सीटें, जो पूर्व सैनिक कोटे से रिक्त रह जाएं, उन्हें स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों को दिया जा सकता है।

इसके अतिरिक्त, स्वतंत्रता सेनानी आश्रित प्रमाण पत्र केवल हरियाणा के मुख्य सचिव द्वारा जारी किया जाना चाहिए।

इसके बावजूद प्रवेश कमेटी ने कई संदिग्ध और कथित रूप से झूठे प्रमाण पत्रों को स्वीकार कर लिया।

वांगचुक की पत्नी की सुप्रीम कोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका

बोलीं- एक हफ्ता हो गया, न पति की सेहत पता, न ही गिरफ्तारी की वजह

नई दिल्ली। सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो ने अपने पति की रिहाई की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

गीतांजलि जे अंगमो ने वांगचुक को तुरंत रिहा करने की मांग करते हुए हेबियस कार्पस (बंदी प्रत्यक्षीकरण) याचिका लगाई है।

डॉ. अंगमो ने 2 अक्टूबर को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दायर की।

उन्होंने दावा किया कि उनके पति की गिरफ्तारी अवैध है।

अंगमो ने यह आरोप भी लगाया कि दिल्ली में हर जगह उनका पीछा किया जा रहा है। उनके एक कर्मचारी को भी हिरासत में रखा गया है।

वांगचुक फिलहाल जोधपुर की जेल में हैं, उन्हें 24 सितंबर को लेह हिंसा भड़काने के आरोप में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत 26 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। हिंसा में 4 लोग मारे गए थे।

सोनम के अलावा लेह की स्थानीय जेल में बंद 56 आंदोलनकारियों में से 26 को 2 अक्टूबर को छोड़ दिया गया। इन पर गंभीर धाराएं नहीं थीं। 30 लोग अभी जेल में हैं।

वांगचुक की पत्नी बोलीं- एक हफ्ता बीता, डिटेंशन ऑर्डर कॉपी नहीं मिली

गीतांजलि ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- आज एक हफ्ता हो गया है। अभी भी मुझे सोनम की सेहत, उनकी हालत और नजरबंदी के कारणों के बारे में कोई जानकारी नहीं है। अंगमो ने वकील सर्वम ऋतम खरे के जरिए दायर याचिका में वांगचुक की हिरासत को चुनौती दी है। साथ ही उनकी तुरंत रिहाई की मांग की है।

वांगचुक के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) लगाने के फैसले पर भी सवाल उठाया है। अंगमो का आरोप है कि उन्हें अभी तक हिरासत आदेश की कॉपी नहीं मिली है, जो नियमों का उल्लंघन है।

क्या है हैबियस कार्पस...

हेबियस कार्पस लैटिन भाषा का शब्द है, इसका मतलब होता है- शरीर सामने लाओ। यानी किसी व्यक्ति को गैर-कानूनी ढंग से गिरफ्तार किया है, हिरासत में रखा है, तो अदालत उस व्यक्ति को तुरंत कोर्ट के सामने पेश करने का आदेश दे सकती है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 और 226 के तहत यह अधिकार हर नागरिक को मिला है। कोई भी व्यक्ति, उसका परिवार/दोस्त हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में हेबियस कॉर्पस रिट दायर कर सकता है। आदेश के बाद पुलिस को पूरी जानकारी कोर्ट के सामने रखनी होती है।

अर्थसार

सेंसेक्स:
81,207.17
+223.86 (0.28%)
निफ्टी:
24,894.25
+57.95

मौसम

अधिकतम : 33 डिग्री से0
न्यूनतम : 24 डिग्री से0
सूर्योदय रविवार : 6 : 20
सूर्यास्त शनिवार : 6 : 35

ईएमआई नहीं चुकाई तो मोबाइल-टीवी जैसे प्रोडक्ट नहीं चलेंगे

आरबीआई नया सिस्टम लाने की तैयारी में; प्रोडक्ट्स में पहले से एप इंस्टॉल होगा, जो उसे बंद करेगा

एजेंसी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ऐसी व्यवस्था बनाने की तैयारी कर रहा है, जिसमें कंज्यूमर अगर ईएमआई नहीं चुकाए तो कर्ज पर खरीदा गया प्रोडक्ट और उसकी सेवाएं दूर से बंद की जा सकेंगी।

इसका उद्देश्य मोबाइल, टीवी जैसे प्रोडक्ट्स के लिए छोटे कर्जों की वसूली को आसान बनाना है। आरबीआई ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों से इस विषय पर चर्चा की है।

फाइनेंस एक्सपर्ट आदिल शेट्टी बताते हैं कि रिजर्व बैंक को एक खास पहलू पर भी गौर करने की जरूरत होगी।

फोन, लैपटॉप या इस तरह की अन्य चीजें खरीदने के लिए मिलने वाला कर्ज कोलेटरल-फ्री होता है। यानी इनके बदले ग्राहक की कोई संपत्ति गिरवी नहीं रखनी पड़ती। इसलिए इनकी ब्याज दर ज्यादा यानी 14-16 प्रतिशत होती है।

ऐसे में यदि नई व्यवस्था लागू होती है तो ये कर्ज सुरक्षित लोन (जैसे होम, ऑटो लीन) की कैटेगरी में आ जाएंगे। ऐसे में बैंकों को ये अधिकार देने से पहले ऐसे लोन की कैटेगरी बदलनी होगी और ब्याज दरें भी घटानी होंगी।

सड़क हादसा

ट्रैक पार कर रहे थे, अचानक ट्रेन आ गई, मेला देखकर लौट रहे थे

पूर्णिया में वंदे भारत से कटकर 4 भाइयों की मौत : एक गंभीर

पूर्णिया। पूर्णिया में शुक्रवार सुबह दशहरे का मेला देखकर लौट रहे 5 बच्चे वंदे भारत की चपेट में आ गए। इनमें से 4 बच्चों की मौके पर मौत हो गई। एक की हालत गंभीर है। घायल को पूर्णिया मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। सभी एक ही परिवार से थे और रिश्ते में भाई थे।

बच्चे बनमनखी प्रखंड के जानकीनगर थाना क्षेत्र के ठाकुरपट्टी वार्ड 4 के रहने वाले हैं। मृतकों की पहचान सुंदर कुमार (15), सिंटू कुमार (14), जिगर कुमार (14) और रोहित कुमार (15) के रूप में हुई है। घायल का नाम कुलदीप कुमार (12) है। सभी महादलित परिवार से हैं। ट्रेन की चपेट में आने से एक का कमर से नीचे का हिस्सा और दोनों हाथ कट गया। दूसरे के सिर के पीछे हिस्से में चोट लगी और तीसरे के ब्रेन में चोट लगी। एक का हाथ कटकर अलग हो गया। जबकि घायल के दोनों पैर ट्रेन की चपेट में आ गए हैं।

हादसा कसबा थाना क्षेत्र के कटिहार-जोगबनी रेलखंड पर जवनपुर के पास हुआ।

हादसे के वक्त मौके पर मौजूद लोगों ने बताया, सभी लोग रेलवे ट्रैक पार कर रहे थे। जोगबनी से दानापुर जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस वहां से गुजरी। ट्रेन सभी को उड़ाते हुए निकल गई। ट्रेन की रफ्तार इतनी तेज थी कि किसी को संभलने का मौका ही नहीं मिला।

एक ही परिवार के हैं सभी बच्चे

मृतक श्यामसुंदर के पिता ब्रह्मदेव ऋषि ने बताया कि सभी मेला देखने कसबा गए थे। मृतकों में उनका बेटा, भतीजा और भगना शामिल है। वे लोग ठाकुरपट्टी के रहने वाले हैं। घर की माली हालत खराब होने की वजह से सभी मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सपनी में रहकर मखाना फोड़ी का काम करते हैं। डेढ़ महीने से सभी वहां दरभंगा के ठेकेदार के अंदर रहकर मखाना फोड़ी का काम करते हैं। उन्हें मेहनताना के तौर पर 350 रुपए रोजाना के मिलते थे।

पप्पू यादव के प्रतिनिधि ने की 20 लाख के मुआवजे की मांग

सांसद पप्पू यादव के प्रतिनिधि राजेश यादव घटना की सूचना मिलते ही GMCH पहुंचे। सांसद प्रतिनिधि ने हादसे में जान गंवाने वाले मृतक के परिवार वालों के लिए 20 लाख कैश और रेलवे में सरकारी नौकरी दिए जाने की मांग की और कहा कि इसी घटना से मालूम पड़ेगा कि जो सरकार खुद को महादलितों का हितैषी बताती है, सही मायने में उसे लेकर कितनी हमदर्दी है।

संपादकीय

'तिरंगे से धोखा, भगवे का सिक्का, आरएसएस का असली एजेंडा'

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

भारत का राष्ट्रध्वज तिरंगा है यह केवल कपड़े का टुकड़ा नहीं, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम की कुर्बानियों, शहीदों के लहू और लोकतंत्र की आत्मा का प्रतीक है। यह भारत की विविधता और एकता का ध्वज है। लेकिन आज़ादी के 78 साल बाद भी आरएसएस तिरंगे को दिल से स्वीकार नहीं कर पाया।

अब जबकि संघ अपने 100 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है, एक स्मारक सिक्के पर तिरंगे की जगह भगवा झंडा उकेरा गया है। यह कोई सामान्य 'डिज़ाइन चूक' नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष स्वरूप पर वैचारिक हमला है।

सिक्के पर भारतमाता की आकृति हाथ में भगवा ध्वज थामे दिख रही है और सामने स्वयंसेवक खड़े हैं। यह प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि राजनीतिक संदेश है।

राष्ट्रध्वज अब तिरंगा नहीं, बल्कि संघ का भगवा है।

यह साझा विरासत और संविधानिक मूल्यों का अपमान है।

यह लोकतंत्र को एक संगठन की विचारधारा के अधीन करने की कोशिश है।

आरएसएस का तिरंगे से परहेज़ कोई नया नहीं।

1947 में जब पूरा भारत आज़ादी का पर्व मना रहा था, नागपुर मुख्यालय पर तिरंगा फहराने से संघ ने इनकार कर दिया।

दशकों तक उनके दफ्तरों पर भगवा ही 'सच्चा ध्वज' माना गया।

आज़ादी की लड़ाई के दौरान, जब भगत सिंह, गांधी, नेहरू, सुभाष, पटेल और आंबेडकर तिरंगे के नीचे संघर्ष कर रहे थे, संघ अंग्रेज़ों की गोद में बैठा था।

आज वही संगठन सिक्कों और प्रतीकों पर कब्ज़ा करना चाहता है।

संघ केवल झंडा नहीं बदल रहा, बल्कि सोच बदल रहा है।

शाखाओं में बच्चों को लाठी और तलवार की ट्रेनिंग दी जाती है।

दंगों और नफ़रत फैलाने की मानसिकता तैयार की जाती है।

इतिहास को तोड़-मरोड़कर महापुरुषों की छवि पर कब्ज़ा किया जाता है।

झूठ और मक्कारी से 'देशभक्ति' का मुखौटा पहनाया जाता है।

संविधान का अनुच्छेद 51ए(ए) हर नागरिक को राष्ट्रीय ध्वज और प्रतीकों का सम्मान करने का कर्तव्य देता है।

साथ ही Emblems and Names (Prevention of Improper Use) Act, 1950 और Flag Code of India स्पष्ट करते हैं कि राष्ट्रीय ध्वज के स्थान पर किसी और प्रतीक का प्रयोग दंडनीय अपराध है।

तिरंगे की जगह भगवा थोपना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान भी।

भारत की ताक़त उसकी विविधता और धर्मनिरपेक्षता है।

यदि सिक्के पर तिरंगे की जगह भगवा दिखेगा, तो दुनिया भारत को एक सांप्रदायिक राष्ट्र के रूप में देखेगी।

सोचिए, अमेरिका, फ्रांस या ब्रिटेन में क्या कोई संगठन अपने झंडे को राष्ट्रीय ध्वज पर थोप सकता है?

भारत में यह प्रयास केवल लोकतंत्र की साख को कमजोर करेगा।

यह स्मारक सिक्का जनता के टैक्स के पैसों से ढाला गया है।

इसे किसी संगठन की विचारधारा का प्रचार माध्यम बनाना जनता के साथ विश्वासघात और राष्ट्रीय संसाधनों का दुरुपयोग है।

आज सिक्के पर भगवा आया है, कल संसद की दीवारों पर, संविधान की किताबों में, स्कूल की पाठ्यपुस्तकों में भी यही भगवा थोपने की कोशिश होगी।

यह धीरे-धीरे लोकतंत्र को खत्म कर भारत को एक एकरंगी सोच में कैद कर देगा।

भारत का राष्ट्रध्वज तिरंगा है और हमेशा रहेगा।

संघ चाहे 100 साल मनाए या 200, उसका झंडा कभी भी तिरंगे की जगह नहीं ले सकता।

तिरंगे से छेड़छाड़ भारत से गद्दारी है।

आज हर भारतीय को यह स्पष्ट कहना होगा

हमारा झंडा तिरंगा है, भगवा नहीं।

हम तिरंगे के सिपाही हैं, किसी भगवे के गुलाम नहीं।

मताधिकार पर चिंता: राष्ट्रव्यापी विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान

बिहार में भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पूरा होने के बाद मतदाताओं की कुल संख्या 7.42 करोड़ रह गयी, जो कवायद शुरू होने से पहले की संख्या 7.89 करोड़ में ठीकठाक गिरावट है। इसका मकसद वास्तव में मतदाता सूचियों को साफ-सुथरा बनाना था, लेकिन इस कवायद के दौरान जो देखने को मिला ङ्क खासकर जिस ढंग से सुप्रीम कोर्ट को इसे ठीक करना पड़ा – उसने एसआईआर को देशभर में विस्तारित करने की आयोग की महत्वाकांक्षा को चिंता का विषय बना दिया है। बिहार की घटनाओं ने मतदाताओं के प्रति एक पूर्व-निर्धारित संदेह का रवैया अपनाने के खतरों के प्रति आगाह किया है। मृत्यु, प्रवासन, दोहराव, और गणना फॉर्म न होने जैसे कथित आधारों पर, मसौदा सूचियों से 65 लाख नाम हटाये जाने के कारण प्रशासनिक रूप से बिल्कुल दुरुस्त थे, लेकिन जिस प्रक्रिया द्वारा इन आधारों का इस्तेमाल किया गया वह अपारदर्शी थी। आयोग ने खारिज नामों की कोई समेकित सूची तब तक मुहैया नहीं करायी और न सार्थक पूर्व नोटिस उपलब्ध कराये, और न अलग-अलग मामलों के लिए कारण नत्थी किये, जब तक कि सुप्रीम कोर्ट ने इन ब्योरों के लिए जोर नहीं दिया। रिपोर्टों ने इंगित किया कि महिलाओं के नाम अनुपात से ज्यादा तादाद में हटाये गये हैं, जो इस कवायद के सटीक होने पर सवाल खड़े करता है। अब भी, आयोग ने यह खुलासा नहीं किया है कि मसौदा और अंतिम सूचियों के बीच 3.66 लाख नाम क्यों हटाये गये, फॉर्म 6 से नाम जोड़े जाने का विभाजित ब्योरा (स्प्लिट) क्या है और कथित विदेशी नागरिकों की वह तादाद कितनी है जिसकी वजह से यह पूरी कवायद की गयी। इस तादाद पर धुंध की चादर से हौवा खड़े किये जाने का खतरा है। आयोग ने व्यापक रूप से प्रचलित पहचान दस्तावेजों को स्वीकार करने से भी मना कर दिया। उसने जन्म प्रमाणपत्र और जाति व निवास के कागजात सहित जो दस्तावेज मांगे वे ज्यादातर गरीबों, अनपढ़ों, महिलाओं, अनुसूचित जातियों और अन्य पिछड़ा वर्गों के पास नहीं हैं।

बिहार में पात्रता की जो शर्तें इस्तेमाल की गयीं, अगर उन्हीं के तहत राष्ट्रव्यापी एसआईआर कराया गया तो शायद नाम हटने के वही जोखिम दोहराये जायेंगे। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस के अध्ययनों सहित, चुनाव प्रबंधन शोध वो तीन अमल बताते हैं जो सूची के पुनरीक्षण में समावेशन को बढ़ाते हैं-सेल्फ-रिपोर्टिंग के पूरक के रूप में गणनाकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर सत्यापन; बिना जन्म या जाति प्रमाणपत्र वाले नागरिकों के लिए अवरोध न्यूनतम करने की नीयत से व्यापक रूप से प्रचलित पहचान दस्तावेजों, जैसे भारत में आधार और राशन कार्ड, का इस्तेमाल; प्रस्तावित विलोपनों (नाम हटाने) के कारणों का अग्रिम प्रकाशन जिसके साथ आसान पहुंच वाली अपील प्रक्रिया भी जुड़ी हो। भारत में इससे पहले हुए पुनरीक्षण, खासकर 2000 के दशक के प्रारंभ में, स्थानीय बूथ-स्तर के अधिकारियों और भौतिक जांचों पर बहुत ज्यादा निर्भर थे, जिससे पूरा बोझ मतदाताओं के सिर पर डाले बिना, गलतियों को चिह्नित करने में मदद मिली। राष्ट्रीय एसआईआर निर्वाचन-क्षेत्र स्तर पर भौतिक नोटिस सुनिश्चित करते हुए और पारदर्शिता को निजता के साथ संतुलित करते हुए, खारिज नामों के डेटा के समेकन और प्रकाशन के लिए डिजिटल साधनों का भी इस्तेमाल कर सकता है।

ऑनलाइन सेवाओं हेतु जागरूक करना जरूरी

परिचय

आज का युग डिजिटल क्रांति का युग है। इंटरनेट ने हमारे जीवन को पूरी तरह से बदल दिया है। जहां पहले हमें बैंक जाने, खरीदारी करने या सरकारी दस्तावेज प्राप्त करने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता था, वहीं अब सब कुछ एक क्लिक की दूरी पर है। ऑनलाइन सेवाएं जैसे ई-कॉमर्स, ऑनलाइन बैंकिंग, ई-गवर्नेंस, ऑनलाइन शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी हैं। लेकिन इन सेवाओं के साथ-साथ कई जोखिम भी जुड़े हैं, जैसे साइबर फ्रॉड, डेटा चोरी और प्राइवेसी का उल्लंघन। इसलिए, ऑनलाइन सेवाओं के प्रति जागरूकता फैलाना अत्यंत आवश्यक है। यह लेख इसी विषय पर विस्तार से चर्चा करेगा, जहां हम ऑनलाइन सेवाओं के लाभ, जोखिम, जागरूकता की आवश्यकता और इसे कैसे बढ़ावा दिया जा सकता है, इन सब पर गहन विश्लेषण करेंगे। यह लेख लगभग 4000 शब्दों में लिखा गया है, जो हिंदी भाषा में है, ताकि आम जनता आसानी से समझ सके।

ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग आज हर आयु वर्ग के लोग कर रहे हैं। युवा पीढ़ी तो इन सेवाओं से अच्छी तरह परिचित है, लेकिन बुजुर्ग और ग्रामीण क्षेत्रों के लोग अभी भी इनसे अनभिज्ञ हैं या इनके जोखिमों से अनजान हैं। जागरूकता अभियान चलाकर हम इन सेवाओं को सुरक्षित और प्रभावी बना सकते हैं। आइए, पहले ऑनलाइन सेवाओं की परिभाषा और प्रकार समझते हैं।

ऑनलाइन सेवाओं की परिभाषा और प्रकार

ऑनलाइन सेवाएं वे सेवाएं हैं जो इंटरनेट के माध्यम से प्रदान की जाती हैं। ये सेवाएं विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध हैं।

उदाहरण के लिए

ई-कॉमर्स सेवाएं : अमेज़न, फ्लिपकार्ट जैसी वेबसाइटों पर ऑनलाइन शॉपिंग। यहां से हम घर बैठे सामान मंगवा सकते हैं।

ऑनलाइन बैंकिंग : नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग के माध्यम से पैसे ट्रांसफर, बिल पेमेंट आदि।

ई-गवर्नेंस : सरकारी पोर्टल जैसे आधार, पासपोर्ट आवेदन, आयकर रिटर्न फाइलिंग।

ऑनलाइन शिक्षा : कोर्सेरा, उडेमी या भारतीय प्लेटफॉर्म जैसे स्वयं, जहां ऑनलाइन कोर्स उपलब्ध हैं।

स्वास्थ्य सेवाएं : टेलीमेडिसिन, जहां डॉक्टर से ऑनलाइन परामर्श लिया जा सकता है।

सोशल मीडिया और मनोरंजन : फेसबुक, यूट्यूब, नेटफ्लिक्स आदि।

ये सेवाएं हमारे जीवन को सुविधाजनक बनाती हैं, लेकिन बिना जागरूकता के इनका दुरुपयोग हो सकता है। उदाहरणस्वरूप, एक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में 2023 में साइबर अपराधों की संख्या 10 लाख से अधिक थी, जिसमें अधिकांश ऑनलाइन सेवाओं से जुड़े थे। इसलिए, जागरूकता आवश्यक है।

ऑनलाइन सेवाओं की शुरुआत 1990 के दशक में हुई, जब इंटरनेट का विस्तार हुआ। भारत में जियो की क्रांति ने इसे आम आदमी तक पहुंचाया। आज, 80 करोड़ से अधिक भारतीय इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं। लेकिन क्या वे सभी सुरक्षित हैं? नहीं। कई लोग पासवर्ड शेयरिंग या फिशिंग ईमेल पर क्लिक करके ठगे जाते हैं। जागरूकता से हम इन जोखिमों को कम कर सकते हैं।

ऑनलाइन सेवाओं के लाभ

ऑनलाइन सेवाओं के कई लाभ हैं, जो हमें जागरूक बनाने के लिए प्रेरित करते हैं। सबसे पहले, सुविधा। घर बैठे सब कुछ उपलब्ध। समय की बचत होती है। उदाहरण के लिए, ऑनलाइन शॉपिंग से ट्रैफिक और भीड़ से बचाव।

दूसरा, लागत में कमी। ऑनलाइन खरीदारी में डिस्काउंट मिलते हैं। ई-गवर्नेंस से कागजी काम कम होता है, जो पर्यावरण के लिए अच्छा है।

तीसरा, पहुंच। ग्रामीण क्षेत्रों में भी अब इंटरनेट पहुंच रहा है। किसान ऑनलाइन बाजार से फसल बेच सकते हैं।

चौथा, शिक्षा और स्वास्थ्य में क्रांति। कोविड-19 महामारी में ऑनलाइन क्लासेस ने शिक्षा जारी रखी। टेलीमेडिसिन ने दूरदराज के मरीजों को मदद पहुंचाई।

पांचवां, रोजगार सृजन। फ्रीलांसिंग प्लेटफॉर्म जैसे अपवर्क से लोग घर से काम कर रहे हैं।

ये लाभ तभी सार्थक हैं जब उपयोगकर्ता जागरूक हों। अन्यथा, लाभ के बजाय हानि हो सकती है। इसलिए, जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है।

ऑनलाइन सेवाओं के जोखिम और खतरे

ऑनलाइन सेवाओं के साथ कई जोखिम जुड़े हैं। सबसे बड़ा खतरा साइबर फ्रॉड है। फिशिंग हमले में धोखेबाज ईमेल या मैसेज से बैंक डिटेल्स चुरा लेते हैं। भारत में 2024 में ऐसे मामलों में 20त्न वृद्धि हुई।

दूसरा, डेटा प्राइवेसी का उल्लंघन। कंपनियां हमारा डेटा बेचती हैं, जिससे विज्ञापन या ब्लैकमेलिंग होती है।

तीसरा, साइबर बुलिंग। सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग से मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है।

चौथा, वायरस और मालवेयर। अनजान लिंक पर क्लिक से डिवाइस हैक हो जाता है।

पांचवां, फेक न्यूज। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर गलत जानकारी फैलती है, जो समाज को प्रभावित करती है।

छठा, बच्चों के लिए खतरा। अनुचित कंटेंट या ऑनलाइन प्रीडेटर्स।

ये जोखिम जागरूकता की कमी से बढ़ते हैं। यदि लोग मजबूत पासवर्ड, दो-कारक प्रमाणीकरण और सुरक्षित ब्राउजिंग जानें, तो इनसे बचा जा सकता है।

जागरूकता की आवश्यकता क्यों?

जागरूकता इसलिए जरूरी है क्योंकि ऑनलाइन सेवाएं अब वैकल्पिक नहीं, अनिवार्य हैं। डिजिटल इंडिया अभियान के तहत सरकार सब कुछ ऑनलाइन कर रही है। लेकिन यदि लोग अनजान हैं, तो वे ठगे जाएंगे।

जागरूकता से आत्मविश्वास बढ़ता है। लोग सुरक्षित रूप से सेवाओं का उपयोग करेंगे। अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

सामाजिक स्तर पर, जागरूकता अपराध कम करती है। शिक्षित समाज में साइबर क्राइम कम होते हैं।

व्यक्तिगत स्तर पर, प्राइवेसी सुरक्षित रहती है। लोग अपनी जानकारी नियंत्रित रख सकते हैं।

वैश्विक स्तर पर, भारत जैसे विकासशील देश में जागरूकता डिजिटल विभाजन कम करती है। ग्रामीण-शहरी अंतर मिटता है।

इसलिए, जागरूकता नहीं सिर्फ आवश्यक, बल्कि अनिवार्य है।

जागरूकता कैसे बढ़ाई जाए?

जागरूकता बढ़ाने के कई तरीके हैं। सबसे पहले, शिक्षा प्रणाली में शामिल करना। स्कूलों में साइबर सिक्योरिटी पढ़ाई जाए।

दूसरा, मीडिया अभियान। टीवी, रेडियो, सोशल मीडिया पर विज्ञापन।

तीसरा, सरकारी पहल। साइबर सुरक्षित भारत जैसे कार्यक्रम।

चौथा, एनजीओ और कम्युनिटी वर्कशॉप। ग्रामीण क्षेत्रों में सेमिनार।

पांचवां, ऐप और वेबसाइट पर ट्यूटोरियल। जैसे, गूगल के सेफ्टी सेंटर।

छठा, कॉर्पोरेट जिम्मेदारी। कंपनियां उपयोगकर्ताओं को शिक्षित करें।

ये तरीके अपनाकर हम जागरूक समाज बना सकते हैं।

केस स्टडीज

एक केस स्टडी : 2022 में एक बुजुर्ग महिला को फिशिंग से 5 लाख का नुकसान। जागरूकता की कमी थी।

दूसरी : एक स्कूल में साइबर सिक्योरिटी वर्कशॉप के बाद छात्रों ने फेक न्यूज पहचानना सीखा।

तीसरी : एक कंपनी ने कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी, जिससे हैकिंग अटैक कम हुए।

ये उदाहरण दिखाते हैं कि जागरूकता काम करती है।

सरकारी पहल और नीतियां

भारत सरकार ने कई पहल की हैं। डिजिटल इंडिया, जिसमें ऑनलाइन सेवाएं शामिल।

साइबर सुरक्षित भारत : जागरूकता अभियान।

आईटी एक्ट 2000 : साइबर क्राइम के खिलाफ कानून।

एनसीईआरटी में साइबर सिक्योरिटी चैप्टर।

ये पहल सराहनीय हैं, लेकिन और प्रयास चाहिए।

निष्कर्ष

ऑनलाइन सेवाओं हेतु जागरूकता आवश्यक है। इससे हम सुरक्षित डिजिटल दुनिया बना सकते हैं। सबको मिलकर प्रयास करना होगा।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3670

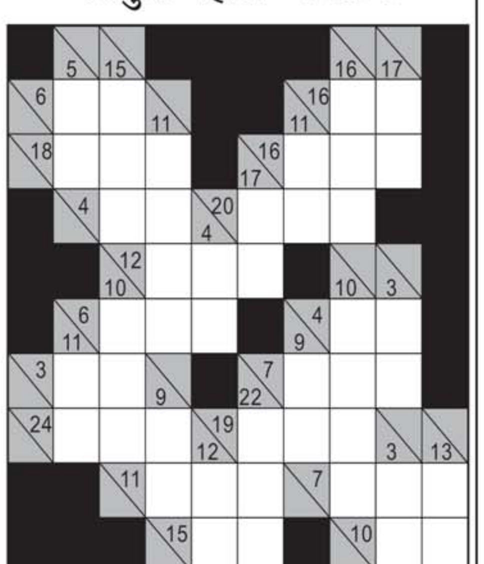

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3669 का हल

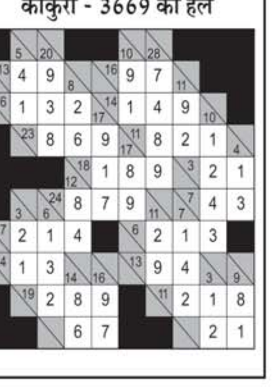

हंसी के फूव्वारें

एक बार अध्यापक जी अपने एक छात्र सुनील के घर गए. सुनील ने अपने अध्यापक जी का स्वागत किया. अध्यापक जी को खीर खाने को दिया. अध्यापक जी जब खीर खा रहे थे तभी सुनील की मां वहां आयी. अध्यापक जी को खीर खाते देख वह हैरान होकर सुनील से पूछीं-बेटा, सुनील, तुमने यह खीर अध्यापक जी को खाने क्यों दिया? इसे तो रात बिल्ली चाट रही थी. यह सुनकर अध्यापक जी ने खीर का वह कटोरा फेंक दिया. सुनील फौरन अध्यापक जी से बोला-अध्यापक जी, आपने वह कटोरा क्यों फेंक दिया? अब मेरा कुत्ता किस कटोरे में खाएगा?

□ □ □

विज्ञान की कक्षा में शिक्षक कह रहा था, 'बच्चों, विज्ञान में बहुत शक्ति है पर इतनी नहीं कि एक जीव को दूसरे में बदल दे........'

'पर सर,' एक लड़के ने धीरे से उसकी बात काटी, 'वह शक्ति आप में तो है.'

'क्या बक रहा है तू?' शिक्षक बड़बड़ाया.

'सच ही तो कह रहा हूं-आप जब चाहते हैं, तब हमें मुर्गा बना देते हैं.'

□ □ □

बीवी ने मियाँ से पूछा, 'क्यों जी, ऐसी कौन-सी वस्तु है जो पुरुषों को पसंद है और महिलाओं को नहीं?'

मियाँ डरते-डरते, 'खामोशी.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3670

बायें से दायें:-

१. सैफअली खान, रानी मुखर्जी की 'सांसों को सांसों में ढलने दो' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'रंग भरे मौसम से रंग चुराके' गीत वाली जैकी श्रॉफ, जूही चावला की फिल्म-३
७. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
८. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की 'तेरी उम्मीद तेरा इंतजार' गीत वाली फिल्म-३
११. फिल्म 'मनोरंजन' में शम्मीकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१४. सलमान, सोमी की 'दिल मेरा यहां' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'कब के बिछड़े हुए' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
१७. अमजद खान, बिंदिया गोस्वामी की 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'मेरे खयालों की मलिका' गीत वाली शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की फिल्म-२
१९. सुनील शेट्टी, रंभा की 'कहां गये ममता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'तुम भी चलो' गीत वाली अमिताभ, विनोद खन्ना, सायरा बानो की फिल्म-३
२५. अमिताभ, अरशद वारसी, करिश्मा, विजय शांति की फिल्म-४
२६. 'ये दपनियावाले' गीत वाली देवानंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२९. धर्मेन्द्र हेमा की 'दुनिया जब' गीत वाली फिल्म-२
३०. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. नसीरूद्दीनशाह, जैकीश्रॉफ, नगमा की फिल्म-२
२. करणनाथ, मनीषा नतान्यासिंह की 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-२
३. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
४. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'बदली है ना बदलेगी' गीत वाली फिल्म-४
५. देवानंद, मधुबाला की फिल्म-३
६. 'बनाकेक्यूं बिगाड़ा रे' गीत वाली फिल्म-३
९. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षयखन्ना, अमृता राव की फिल्म-३
११. 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'खाई है रे हमने' गीत वाली राजेंद्र, शर्मिला की फिल्म-३
१३. फिल्म 'सपने साजन के' की नायिका-३
१४. राजकपूर, दिलीपकुमार, नर्गिस की 'झूम झूम के नाचो आज' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली फिल्म-३
१८. सनी देओल, सुष्मिता सेन की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे तो गिरधर गोपाल' गीत वाली फिल्म-२
२२. मनोजकुमार, साधना की फिल्म-४
२३. 'जो उनकी तमन्ना है' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
२६. 'सुना था देखा ना था' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
२७. अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२८. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3669

सूडोकु -3670

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3669 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्द पहेली - 3670

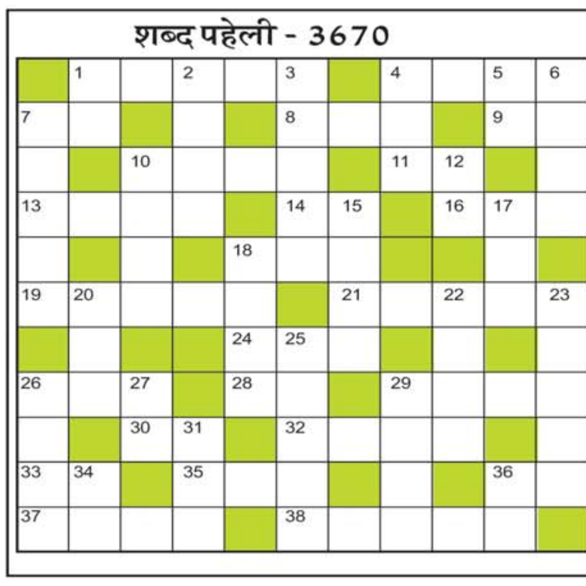

बाएँ से दाएँ

1.फिल्म 'बॉबी' के निर्माता-निर्देशक -2,3
4.आश्चर्य, विलक्षणता-4
7.जीत, फतेह-2
8.आकाश रेखा, छोर-3
9.तल, पैंदा-2
10.थाती, धरोहर-4
11.मोटा आटा-2
13.सलाह, मशवरा-4
14.अन्य, वो, तिन-2
16.घर,गृह-3
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.नाम रखना-2,3
21.परामर्शदाता-5
24.सुनसान, नीरव-3
26.वन, जंगल-3
28.मिट्टी, रेत-2
29.चेतनाहीन-4
30.पराग कण-2
32.भयभीत होना-4
33.छोटी सवारी गाड़ी-2
35.फूलों का हार जो बालों में लगाते हैं,वेणी-3
36.द्वार,किवाड़-2
37.जनता की राय-4
38.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.मत, सलाह-2
2.करतब-4
3.वह जंगल जो संरक्षित हो-3,2
4.अनश्वर, चिरयुवा-3
5.लीन, मग्न-2
6.जलाऊ लकड़ी-4
7.रनिवास 3,2
10.मूर्ख (उर्दू-4)
12.बांया-2
15.आनंदित होना-4
17.शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म-3
18.योद्धा-4
20.अमिताभ के तिहरे रोल वाली फिल्म-3
22.मुआवजा-4
23.चित्रपट, फिल्मी दुनिया-3,2
25.राज वंश-2,3
26.काम, कार्य-4
27.मादा का विलोम-2
29.उपद्रव फैलाने वाला-4
31.दुनिया, जहान-3
34.क्रिकेट में बनते हैं-2
36.पंख, पराया-2

शब्द पहेली -3669 का हल

रेरा की बड़ी कार्रवाई : ए.एस.जी.आई प्रॉपर्टीज पर एफआईआर दर्ज

फर्जी आदेश से बैंकों को गुमराह करने का आरोप

लखनऊ/ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) ने रियल एस्टेट क्षेत्र में बड़ा कदम उठाते हुए ए.एस.जी.आई. प्रॉपर्टीज प्रा. लि. के खिलाफ गंभीर धोखाधड़ी और फर्जीवाड़े के मामले में एफआईआर दर्ज कराई है। मामला ग्रेटर नोएडा पुलिस कमिश्नरेट, गौतमबुद्ध नगर में दर्ज हुआ है ?।

फर्जी आदेश से बैंकों को गुमराह

रेरा की जांच में सामने आया कि प्रमोटर ने अपनी परियोजना एप्पल टावर एस-2ए और एस-2बी (UPRERAPRJ8494) के नाम पर आवंटियों और बैंकों को भ्रमित करने के लिए एक कथित फर्जी आदेश पेश किया।
यह दस्तावेज़ संख्या 1381/U.P.RERA/Project/Rehabilitation/NCR/2024-25 दिनांक 03 मार्च 2025 का था, जिसे प्रमोटर ने ऋण लेने के लिए इस्तेमाल किया, जबकि जांच में यह आदेश पूरी तरह कूटरचित और अवैध पाया गया ?।

बायर्स एसोसिएशन की शिकायत से खुला मामला

ए.एस.जी. एप्पल बायर्स एसोसिएशन ने 4 अगस्त 2025 को रेरा को शिकायत दी थी कि प्रमोटर आवंटियों से धोखाधड़ी कर रहा है और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बैंक से ऋण लेने की कोशिश कर रहा है। एसोसिएशन ने पुलिस में भी प्रार्थना पत्र दिया था ?।

रेरा का सख्त रुख

रेरा ने कहा कि इस तरह की गतिविधियाँ न केवल खरीदारों का आर्थिक व मानसिक शोषण करती हैं, बल्कि वित्तीय संस्थानों की विश्वसनीयता और रियल एस्टेट क्षेत्र की पारदर्शिता को भी चोट पहुँचाती हैं।
एफआईआर रेरा की ओर से अवर अभियंता रमेश कुमार पांडेय द्वारा दर्ज कराई गई। पुलिस ने मामले को गंभीर मानते हुए इसे भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 338 और 336(3) में दर्ज किया है ?।

खरीदारों के लिए संदेश

रेरा ने साफ कहा है : 'आवंटियों के हित सर्वोपरि हैं। किसी भी तरह की धोखाधड़ी या अवैध गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी।' यह कदम रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक ठोस संदेश है ?।

'ड्राइविंग माइ ड्रीम' एवं पोषण चैपियंस कार्यक्रम सम्पन्न

गौतम बुद्ध नगर। मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत बाल विकास परियोजना कार्यालय दनकौर, गौतमबुद्धनगर में आज ड्राइविंग माइ ड्रीम पोषण चैपियंस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बाल विकास परियोजना अधिकारी संध्या सोनी द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का संचालन किया गया।
बैठक के दौरान ममता तिवारी, पूनम रावत एवं किरन भारती (मुख्य सेविका) तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को संबोधित करते हुए ड्राइविंग माइ ड्रीम की महत्ता बताई गई। इसमें यह संदेश दिया गया कि महिलाएँ भी आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाकर ड्राइविंग सीख सकती हैं और अपने सपनों को नई उड़ान दे सकती हैं।
इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियाँ साधना, मोनिका, संगीता और अंजना ने इस पहल में विशेष रुचि दिखाते हुए अपने सपनों को साकार करने की इच्छा जताई।
कार्यक्रम के अगले चरण में पोषण चैपियंस विषय पर चर्चा की गई, जिसमें यह बताया गया कि ग्रामवासियों को सही पोषण की जानकारी देकर स्वस्थ और सशक्त समाज का निर्माण कैसे संभव है।

जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व/उप जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता हुई महत्वपूर्ण बैठक

गौतमबुद्धनगर। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देश पर आज अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व/उप जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल कुमार की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में उत्तर प्रदेश विधान परिषद मेरठ खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के पुनरीक्षण को लेकर अहम बैठक आयोजित हुई। बैठक में सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया तथा पदनामित व अतिरिक्त पदनामित अधिकारियों के बदलाव की सूचना राजनीतिक दलों को उपलब्ध कराई गई। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिले की तीनों तहसीलों में नामावली पुनरीक्षण कार्य हेतु 13 मतदान केंद्र/पदाभिहित स्थल निर्धारित किए गए हैं। यहाँ स्नातक मतदाताओं के लिए फॉर्म-18 और शिक्षक मतदाताओं के लिए फॉर्म-19 उपलब्ध कराए जाएंगे और भरे हुए फार्म जमा किए जाएंगे। सभी सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि कार्य गंभीरता, पारदर्शिता और समयबद्धता से संपन्न कराया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी पात्र मतदाताओं का नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित हो।

भ्रष्टाचार के खिलाफ किया जागरूक, सेक्टर अध्यक्ष बनें ठा. सुरेन्द्र तोमर

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर ओमीक्रान थर्ड में ओंकार सिंह कपासिया के आवास पर करप्शन फ्री इंडिया संगठन की बैठक कर बढ़ते हुए भ्रष्टाचार को रोकने हेतु संगठन का विस्तार करते हुए सेक्टर की कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक संगठन के जिला सचिव रिंकू बैंसला के नेतृत्व में संपन्न हुई।
करप्शन फ्री इंडिया संगठन के संस्थापक चौधरी प्रवीण भारतीय ने बताया कि गौतम बुध नगर के विभिन्न विभागों में दिन प्रतिदिन भ्रष्टाचार बढ़ता जा रहा है जिससे जनता परेशान हैं भ्रष्टाचार को समाप्त करने हेतु करप्शन फ्री इंडिया संगठन ने ग्रेटर नोएडा के ओमिक्रान थर्ड में बैठक कर संगठन की सेक्टर ईकाई का विस्तार करते हुए ठाकुर सुरेंद्र सिंह तोमर को सेक्टर का अध्यक्ष राघव दुबे को सचिव मूलचंद शर्मा को सह सचिव उमेश शर्मा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजय कुमार सिंह को उपाध्यक्ष और रविंद्र भाटी को सक्रिय सदस्य एवं चाहत राम को जिला संरक्षक गौतम बुध नगर नियुक्त किया। चौधरी प्रवीण भारतीय ने कहा कि गौतम बुद्ध नगर के प्रत्येक गांव एवं शहर में संगठन को मजबूत किया जाएगा और भ्रष्टाचार के खिलाफ जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। संगठन के जिला कोषाध्यक्ष हरीश भाटी ने बताया की शिक्षा एवं चिकित्सा के क्षेत्र में तो बढ़ाते हुए भ्रष्टाचार की हद हो गई स्थानीय किसान एवं गांव के गरीब अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा एवं बेहतर स्वास्थ्य लाभ नहीं दिला पा रहे हैं इस पर सरकार को ध्यान देना चाहिए अन्यथा संगठन आंदोलन करेगा।

वही नवनिर्वाचित पदाधिकारी ने संगठन के संस्थापक चौधरी प्रवीण भारतीय का आभार प्रकट करते हुए कहा कि जो जिम्मेदारी संगठन ने हमें दी है उसको पूर्णतया ईमानदारी एवं निष्ठा पूर्वक निभाएंगे।

पीएसी पश्चिमी जोन की 29वीं अंतर-वाहिनी वॉलीबॉल क्लस्टर प्रतियोगिता का गाजियाबाद में भव्य शुभारंभ

प्रियंका शर्मा विशाल इंडिया

गाज़ियाबाद। शुक्रवार 47वीं वाहिनी पीएसी, गाज़ियाबाद के भव्य प्रांगण में पीएसी पश्चिमी जोन की 29वीं अंतर-वाहिनी वॉलीबॉल क्लस्टर (वॉलीबॉल एवं सेपक टकरा) प्रतियोगिता-2025 का शुभारंभ आयोजन सचिव एवं सेनानायक चारू निगम, आईपीएस की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।
मुख्य अतिथि द्वारा गुब्बारे उड़ाकर प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन किया गया। तत्पश्चात् उन्होंने प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर रही सभी टीमों के प्रबंधकों से भेंट कर उनका परिचय प्राप्त किया।
सभी टीमों ने आकर्षक मार्च-पास्ट कर मुख्य अतिथि को सलामी दी और खिलाड़ियों द्वारा शपथ ग्रहण की गई। सेनानायक चारू निगम ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए खेल भावना, अनुशासन एवं टीम भावना के महत्व को रेखांकित किया और प्रतियोगिता के सफल आयोजन की कामना करते हुए इसके औपचारिक शुभारंभ की घोषणा की। **प्रतियोगिता के प्रथम दिन के खेल परिणाम:-**

वॉलीबॉल

मेजबान 47वीं बटालियन पीएसी, गाज़ियाबाद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 24वीं बटालियन पीएसी, मुरादाबाद को एक रोमांचक मुकाबले में 2-1 से पराजित कर विजयी शुरुआत की।

सेपक टकरा

43वीं बटालियन पीएसी, एटा ने बेहतरीन खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए 08वीं बटालियन पीएसी, बरेली को हराया।
प्रतियोगिता के अंतर्गत सायंकाल के सत्र में भी विभिन्न टीमों के मध्य वॉलीबॉल एवं सेपक टकरा के कई रोमांचक एवं प्रतिस्पर्धात्मक मुकाबलों का सफलतापूर्वक आयोजन हुआ।

नोएडा में 500 से ठगी करने वाले दो गिरफ्तार

बेंगलुरु बेस्ड कंपनी का बताते थे कर्मी, लोन दिलाने के नाम पर वसूलते थे पैसा

नोएडा। थाना सेक्टर-113 पुलिस ने लोन दिलाने के नाम पर 500 से अधिक लोगों से ठगी करने वाले गिरोह के दो जालसाजों को गुरुवार को एफएनजी मार्ग से चेकिंग के दौरान गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी खुद को कंपनी का कर्मचारी बताकर जालसाजी करते थे।
डीसीपी यमुना प्रसाद ने बताया कि पुलिस की टीम एफएनजी मार्ग पर चेकिंग कर रही थी, तभी बाइक सवार दो संदिग्ध आते दिखाई दिए। उन्हें रुकने का इशारा किया गया तो वे भागने लगे। टीम ने पीछा करके दोनों को गिरफ्तार कर लिया।
इनके नाम फैयाज आलम और आकाश कुमार है। दोनों बहलोलपुर गांव में रहते हैं। दोनों 10वीं और 12वीं पास हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे ऑनलाइन लोन के लिए आवेदन करने वाले लोगों से संपर्क करते। वे उन्हें खुद को बेंगलुरु स्थित कंपनी का कर्मचारी बताते। लोगों से लोन लेने के लिए आवेदन कराते। इनके पास से 50 हजार रुपए, 20 मोबाइल फोन, 128 डेबिट कार्ड, 77 मोबाइल सिम कार्ड, विभिन्न बैंकों की नौ पासबुक, तीन किट, सात क्यूआर कोड और एक बाइक बरामद हुई। डीसीपी ने बताया कि ये लोग अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफार्म से भारत के विभिन्न राज्यों के लोगों का डाटा जिसमें (आधार कार्ड, पैन कार्ड, ई-मेल, मोबाइल नंबर, राज्य आदि) जुटाकर ठगी करते थे। ये लोग बैंगलोर में स्थित प्रालि कंपनी का कर्मचारी होने का बहाना बनाकर लोगों को लोन के लिए कॉल करते, दस्तावेज (आधार, पैन, बैंक स्टेटमेंट) वॉट्सऐप पर मंगाते है।

जिला स्तरीय वॉलीबॉल व फुटबॉल टीम का चयन हुआ सम्पन्न

गौतमबुद्धनगर। जिला खेल कार्यालय गौतमबुद्धनगर द्वारा आज नोएडा एजुकेशन एकेडमी में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में वरिष्ठ महिला वॉलीबॉल टीम के चयन ट्रायल सम्पन्न हुए। चयनित खिलाड़ियों में श्वेता, सपना, कल्पना, दृष्टि, कुशवाहा और आरुषि सक्सेना का नाम शामिल है। इसी के साथ वरिष्ठ पुरुष वॉलीबॉल टीम का भी गठन किया गया, जिसमें रोहित, कुंतल, सौरभ कुमार, रूपक कुमार, ओम, रौनक त्यागी, ईशान, दक्ष और अभिषेक को स्थान मिला।
प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी डॉ. परवेज अली ने जानकारी दी कि महिला वर्ग के मंडल स्तरीय ट्रायल 4 अक्टूबर को तथा पुरुष वर्ग के ट्रायल 7 अक्टूबर को कैलाश प्रकाश स्टेडियम, मेरठ में होंगे। वहीं, प्रदेश स्तरीय महिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता 11 से 14 अक्टूबर तक चित्रकूट धाम में तथा पुरुष वर्ग की प्रतियोगिता 13 से 17 अक्टूबर तक झांसी में आयोजित की जाएगी। इसी क्रम में, फुटबॉल चयन ट्रायल एस्टर पब्लिक स्कूल, डेल्टा-2 में सम्पन्न हुए। चयनित खिलाड़ियों में निखिल गिरी, मेनन, राज जयकुमार, यश कुमार, आदित्य रावत, स्पर्श शर्मा, अखिलेश टोपो, कृष्ण कुमार, स्पर्श त्यागी, हर्ष यादव, अंशुल और टोयस कुमार शामिल हैं। यह चयन जिला फुटबॉल सचिव वाजिद अली की देखरेख में सम्पन्न हुआ।
सभी चयनित फुटबॉल खिलाड़ियों के मंडल स्तरीय ट्रायल 4 अक्टूबर को कैलाश प्रकाश स्टेडियम, मेरठ में आयोजित होंगे।

नोएडा के मकान में थर्ड फ्लोर पर लगी आग : 5 लोग झुलसे

नोएडा। नोएडा के भंगेल गांव के एक मकान में शुक्रवार रात में गैस सिलेंडर लीक होने से थर्ड फ्लोर पर आग लग गई। आस पास के लोगों ने मकान के अंदर से धुंआ उठते देखा तो दौड़ते हुए मकान में घुस गए। अंदर पहुंचे तो 5 झुलसी हुई हालत में पड़े थे। उन्होंने सभी घायलों को एम्बुलेंस से दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल पहुंचाया। इसी दौरान वहां मौजूद अन्य लोगों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की 5 गाड़ियां मौके पर पहुंची। लोगों को घटना स्थल से हटाया। उसके बाद मकान में दाखिल हुई। तब तक मकान में रखा लाखों का समान जलकर राख हो चुका था। फायर ब्रिगेड ने आधे घंटे में आग पर काबू पाया। सफदरगंज में घायलों का इलाज चल रहा है। पांचों की हालत खतरे से बाहर है। नोएडा के भंगेल गांव में हरिमोहन(55) अपने परिवार के साथ रहते हैं।

जिला स्वास्थ्य समिति -शासी निकाय की समीक्षा बैठक सम्पन्न, मुख्य विकास अधिकारी ने दिए अहम निर्देश

गौतम बुद्ध नगर। जिलाधिकारी के निर्देश पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी की अध्यक्षता में आज विकास भवन सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य और संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।
मुख्य विकास अधिकारी ने बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और प्रशासनिक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि यूपी हेल्थ डैशबोर्ड में जिले की रैंकिंग सुधारना प्राथमिकता होनी चाहिए, इसके लिए चिकित्सा अधीक्षक दनकौर और नोडल अधिकारी नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। सभी ब्लॉकों में डेटा वैलिडेशन की प्रभावी बैठक संपन्न कराकर कार्यवृत्त को मुख्य चिकित्सा अधिकारी को प्रस्तुत करने का आदेश भी दिया गया। Tele कंसल्टेशन ट्र-संजीवनी में प्रदर्शन में पिछड़े 5 चिकित्सा अधिकारियों और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को सुधारात्मक कार्रवाई हेतु नोटिस जारी किया गया। जिला अस्पताल में एसएनसीयू में बेड एक्यूपंसी दर काफी कम है, जिसको बढ़ाने के भी निर्देश दिए गए।

निर्माण कार्यों में धीमी प्रगति के मद्देनजर आगामी बैठक में कार्यदाई संस्था के प्रतिनिधि को उपस्थित कराने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत विस्तृत माइक्रो प्लान जल्द भेजने के निर्देश दिए गए।
मुख्य विकास अधिकारी ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील की कि विकसित भारत हेतु अपने सुझाव अधिक से अधिक प्रस्तुत करें, प्रत्येक अधिकारी को तीन-तीन सुझाव देने हेतु निर्देशित किया गया।
साथ ही, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जेवर को मुख्यालय पर निवास न करने पर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के आदेश दिए गए। VHND के संचालन को सुचारू बनाने के लिए संबंधित प्राधिकरणों से पत्राचार कर टीकाकरण हेतु स्थान उपलब्ध कराने और लाभार्थियों की स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में आशाओं के प्रशिक्षण को पूर्ण कर संचारी रोग नियंत्रण अभियान के सफल क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

शार्ट न्यूज

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

जेवर। ग्रेटर नोएडा में संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक की मौत का मामला गहरा गया है। परिजनों की आशंका पर शुक्रवार को 23 वर्षीय शहजाद का शव कब्र से निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। शहजाद का शव 3 सितंबर को ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर मिला था, जिसे तब परिजनों ने सड़क हादसा मानकर बिना पोस्टमॉर्टम के ही दफना दिया था। यह घटना दनकौर कोतवाली क्षेत्र के अट्टा फतेहपुर गांव की है। कुछ दिनों बाद परिजनों को संदेह हुआ कि शहजाद की मौत दुर्घटना नहीं बल्कि हत्या थी। इसके बाद उन्होंने पुलिस से शव का पोस्टमॉर्टम कराने की गुहार लगाई। मृतक के पिता शमशेर सिंह ने आरोप लगाया कि अगस्त में दनकौर में लगे मेले के दौरान हुए विवाद के चलते पड़ोसी गांव के कुछ युवकों ने रंजिशन शहजाद की हत्या कर दी। उनका दावा है कि हत्या के बाद शव को एक्सप्रेसवे पर फेंक दिया गया, ताकि इसे सड़क दुर्घटना का रूप दिया जा सके। करीब 20 दिनों तक अधिकारियों से गुहार लगाने के बाद, पुलिस ने परिजनों की मांग पर संज्ञान लिया। कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

नोएडा में ट्रक ने स्कूटी को मारी टक्कर: एक छात्रा की मौत, एक गंभीर घायल

नोएडा। फेस-दो थाना क्षेत्र के बीपीएल कट के पास गुरुवार को ट्रक चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए स्कूटी सवार बहनों को टक्कर मार दी। टक्कर से नाबालिग किशोरी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी बड़ी बहन की हालत गंभीर है। इस मामले में मृतक किशोरी के पिता की शिकायत पर अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। पुलिस को दी शिकायत में एक व्यक्ति ने बताया कि उसकी दो बेटियां अंकिता सिंह और प्रतिभा सिंह उर्फ अर्पिता गुरुवार दोपहर दादरी जा रही थीं। जैसे ही दोनों बीपीएल कट के पास पहुंचीं, एक अज्ञात ट्रक चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए पीछे से स्कूटी में टक्कर मार दी। इस हादसे में अर्पिता जमीन पर गिरी। ट्रक के पहिए के नीचे आ गई और सिर कुचल जाने की वजह से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अंकिता भी स्कूटी से छिटककर दूर गिरीं और घायल हो गईं। हादसे के बाद आरोपी चालक फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया और थाने ले आई। स्थानीय लोगों का कहना है कि किशोरी की मौत मौके पर ही हो गई थी। ट्रक का अगला पहिया उसके सिर पर चढ़ गया था।

ग्रेटर नोएडा में ट्रैक्टर ने बुग्गी को मारी टक्कर

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र में एक बेकाबू ट्रैक्टर ने बुग्गी को टक्कर मार दी। इस हादसे में बुग्गी सवार दंपति घायल हो गए, जिनमें पति की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्हें इलाज के लिए जिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना शुक्रवार सुबह भट्टा गांव के पास हुई। पीड़िता गीता देवी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपने पति धर्मपाल सिंह के साथ खेत से बुग्गी में घर लौट रही थीं। तभी एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उनकी बुग्गी को टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। धर्मपाल सिंह को गंभीर चोटें आई हैं और ग्रेटर नोएडा के जिम्स अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने गीता देवी की शिकायत के आधार पर आरोपी ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी की पहचान कर उसे जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही के कारण पहले भी कई हादसे हो चुके हैं, लेकिन पुलिस द्वारा पर्याप्त कार्रवाई नहीं की जाती।

43 लाख की साइबर ठगी में एक गिरफ्तार

नोएडा। साइबर क्राइम पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट कर 43 लाख 17 हजार की ठगी करने वाले गिरोह का एक शातिर ठग को गिरफ्तार किया है। इसका नाम मदन कुमार है। नोएडा पुलिस ने सर्विलांस की मदद से इसे हनुमानगढ़ राजस्थान से पकड़ा है। इसके पास से दो मोबाइल फोन बरामद किए गए है। सेक्टर-62 निवासी पीड़िता ने 31 अगस्त 2025 को थाना साइबर क्राइम में मुकदमा दर्ज कराया था कि साइबर ठगों ने स्वयं को पुलिस अधिकारी बताकर उस पर अवैध फंडिंग कराने का आरोप लगाया। उसे डिजिटल अरेस्ट कर फर्जी कागजात भेजते हुए गिरफ्तारी का भय दिखाया और 43 लाख 17 हजार रुपए विभिन्न खातों में ट्रांसफर करवा लिए। जानकारी मिलते ही साइबर सेल ने तत्काल जिन खातों में रकम ट्रांसफर की गई उसको फ्रीज करवा दिया था। पूछताछ में ठग मदन कुमार ने बताया कि वह सीएसपी की दुकान चलाता है। जिसमें अपने करंट बैंक खाते के माध्यम से साइबर अपराध में लिप्त अपराधियों को कमीशन काटकर नकद धनराशि बैंक से निकालकर उपलब्ध कराता है।

पड़ोसियों ने दंपति पर किया हमला

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र के डेरीन खूबन गांव में गुरुवार को पति-पत्नी पर पड़ोसियों ने जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें ग्रेटर नोएडा के जिम्स अस्पताल से दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया है। उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। पीड़ित पक्ष ने इस मामले में 7 नामजद सहित 17 लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। गांव निवासी सद्दाम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गुरुवार को उनके पिता जलील और मां जाफरी घर पर बैठे थे। इसी दौरान पड़ोस के लोगों ने रंजिश के चलते घर में घुसकर लाठी-डंडों और फरसे से उन पर हमला कर दिया। इस घटना में उनके माता-पिता और बहन घायल हो गए। जलील और जाफरी के सिर में गंभीर चोटें आई हैं, जिसके कारण उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। उन्हें पहले जिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया। सद्दाम का आरोप है कि आरोपी उनसे पुरानी रंजिश रखते हैं और इसी कारण उन्होंने यह हमला किया। पीड़ित पक्ष का यह भी कहना है कि आरोपी गांव में अक्सर दबंगई करते रहते हैं।

नवादा गांव में नाली की गंदगी से ग्रामीण परेशान

जेवर। ग्रेटर नोएडा के नवादा गांव में सिंचाई विभाग की मुख्य नाली की सफाई न होने से ग्रामीण गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे हैं। नाली में जमा गंदगी और पनप रहे जहरीले कीड़े-मकोड़ों के कारण गांव में बदबू फैल रही है, जिससे ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि सिंचाई विभाग ने लंबे समय से इस नाली की सफाई नहीं की है। इसके चलते नाली में झाड़ियां और घास उग आई हैं, जिससे पानी का बहाव बाधित हो रहा है और गंदगी जमा हो रही है। ग्रामीण त्रिलोक नागर ने बताया कि इस गंदगी से न केवल बदबू आ रही है, बल्कि कई तरह के जहरीले कीड़े-मकोड़े भी पैदा हो रहे हैं, जो बीमारियों का कारण बन सकते हैं। ग्रामीणों ने इस संबंध में कई बार विभाग को शिकायतें दी हैं, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हुई है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही नाली की सफाई की व्यवस्था नहीं की गई, तो वे ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

घर बैठे ऑनलाइन शिकायत कर सकेंगे

ग्रेटर नोएडा। किसी उत्पाद में कमी होने पर विक्रेता के बदलने से इंकार करने या पैसा नहीं लौटाने समेत मामलों में उपभोक्ता घर बैठे ऑनलाइन शिकायत दर्ज करा सकते हैं। जिला उपभोक्ता आयोग उसकी सुनवाई करके आपको न्याय दिलाएगा। जिला उपभोक्ता आयोग में घर बैठे सेवा में कमी होने पर कंपनी, बीमा कंपनी समेत उत्पादकों के खिलाफ वाद दायर कर सकते हैं। इसके लिए उपभोक्ता को आयोग के पोर्टल e-jagriti.gov.in पर जाकर अपने फोन या ईमेल आईडी से लॉग इन करना होगा। उसमें जरूरी डाटा देने के बाद ही शिकायत दर्ज की जा सकती है। ऑनलाइन शिकायत के साथ ही उपभोक्ता को जरूरी दस्तावेज भी अपलोड करने होंगे।शिकायत के दर्ज होने के बाद आयोग से संबंधी कंपनी या विक्रेता के पास कानूनी नोटिस जाएगा। जिस तारीख में सुनवाई होगी उसकी जानकारी दी जाएगी। दोनों पक्षों से साक्ष्य लेने के बाद अवलोकन करने के बाद फैसला सुनाया जाएगा।

पीलीभीत रामलीला मैदान में रावण वध और पुतला दहन के साथ सम्पन्न हुआ दशहरा

मुख्य अतिथि मंत्री संजय सिंह गंगवार, जिलाधिकारी और एसपी ने किया विजय तिलक

पीलीभीत। स्थानीय रामलीला मैदान में 2 अक्टूबर को रामलीला महोत्सव के अंतर्गत नरांतक वध, अहिरावण वध, रावण वध एवं पुतला दहन की लीलाएं मंचित की गईं।

इन लीलाओं के साथ ही असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक दशहरा महोत्सव हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यमंत्री (गन्ना एवं चीनी मिल्स) संजय सिंह गंगवार, विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव ने संयुक्त रूप से प्रभु श्रीराम का विजय तिलक कर भोग आरती की और प्रसाद ग्रहण किया।

मेघनाद वध के बाद युद्धभूमि में देवांतक, नरांतक, त्रिशिरा और अतिकाय उतरे और वानर सेना को हताहत करने लगे। तब लक्ष्मण, अंगद,

हनुमान, नल और नील ने उनका वध किया। इसके बाद अहिरावण विभीषण का भेष बनाकर प्रभु राम-लक्ष्मण का हरण कर ले गया, किंतु हनुमान ने उसका वध कर दोनों को मुक्त कराया। इसके बाद रावण स्वयं युद्धभूमि में उतरा और भयंकर युद्ध होने लगा। प्रभु श्रीराम ने अग्निबाण से रावण का अंत कर दिया।

इसके साथ ही मैदान जयघोषों से गूंज उठा और देवताओं ने पुष्पवर्षा की। इस अवसर पर दसों सिरों के प्रतीक गुब्बारे छोड़े गए और भव्य आतिशबाजी हुई। दोपहर से ही हजारों भक्त ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और मोटरसाइकिलों से पहुंचने लगे थे। समाजसेवी संगठनों ने भी मेले की व्यवस्था में सहयोग दिया। महोत्सव में महंत ओमकार नाथ, सुनील मिश्रा, अमरीश शर्मा अंबू, अंकुर गुप्ता, राकेश लोधी, संजीव मिश्रा, सुधीर पाल सिंह, नरेश शुक्ला, प्रेम सिंह, भीम सिंह चौहान, अमिताभ त्रिपाठी, रमाकांत पांडेय, अंशुमान मिश्र, संजीव शर्मा, अवनीश शर्मा, प्रतीक अग्रवाल, आयुष सक्सेना सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने उपजिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

पूरनपुर/पीलीभीत। पूरनपुर तहसील के भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के जिला अध्यक्ष मंजीत सिंह के नेतृत्व में धान किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सम्बोधित ज्ञापन पूरनपुर के उपजिलाधिकारी अजीत प्रताप सिंह को सौंपा। पंचायत को सम्बोधित करते हुए जिला अध्यक्ष सरदार मंजीत सिंह ने कहा कि धान किसानों को धान की फसल तैयार करने में किसानों की लागत बहुत अत्याधिक आ रही है। विगत कुछ वर्षो से धान की फसल में विभिन्न प्रकार के कीटों का प्रकोप बहुत अत्याधिक बढ़ गया है।व धान की फसल में फंगस का प्रकोप भी बहुत अत्याधिक बढ़ गया है तथा धान की फसल को तैयार करने में खाद, जिंक, जैम, पेस्टीसाइड्स, हरवीसाइडस, श्रमिकों की मजदूरी, डीज़ल, कृषि यंत्रों की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि होने के कारण धान किसानों को धान की फसल में नुकसान झेलना पड़ रहा है। दूसरी तरफ लागत के हिसाब से धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य बहुत कम है।

इन सब धान किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार से न्यूनतम समर्थन मूल्य के अलावा धान किसानों को 200 रुपए प्रति कुंतल बोनस घोषित करने की मांग का ज्ञापन उपजिलाधिकारी पूरनपुर के माध्यम से भेज कर धान की फसल में बोनस देने की मांग की गई है।

शार्ट न्यूज

कुत्ते को पीटकर किया अधमरा, पुलिस से की शिकायत

पूरनपुर। राष्ट्रीय बजरंग दल के शिवम भदौरिया ने कोतवाली पुलिस को दिए शिकायत पत्र में कहा है कि कोतवाली क्षेत्र के गांव सुआवोझ निवासी बहादुर ने दो अक्टूबर को शाम शराव पीकर ग्रामीणों के साथ गाली गलौज कर अभद्रता की। इसके बाद एक कुत्ते को लाठी डंडो से जमकर पीटा। जिससे कुत्ता गंभीर रुप से घायल हो गया। उसकी हालत गंभीर वनी हुई है। शिवम भदौरिया ने वताया कि सूचना पर बजरंग दल की टीम पहुंची तो कुत्ते के मुंह से और नाक से लगातार खून बह रहा था और पैर भी तोड़ दिया गया। रात में डॉक्टर अमरेश को बुलाकर उसको देख पूरा इलाज करवाया और अभी भी उसका इलाज चल रहा है। उन्होंने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने वताया मामले की जांच की जा रही है। वंही इसको लेकर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं में रोष देखा जा रहा है।

कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण संपन्न हुई जुमे की नमाज

पूरनपुर। जुमे की नवाज नमाज को लेकर पुलिस प्रशासन सर्तक रहा। नमाज के दौरान मस्जिदों में पुलिस बल मुस्तैद रहा। बरेली में हुए बवाल को लेकर पीलीभीत में भी पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा। शुक्रवार को जुमे की नवाज अदा कर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने अमन-चैन के लिए खुदा से प्रार्थना की। पुलिस की घनी आबादी वाले क्षेत्रों में विशेष नजर रही। इसके साथ ही मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में भी पुलिस ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की,सुरक्षा को लेकर प्रशासनिक अधिकारी मस्जिदों में पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते देखे गए। कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण तरीके से जुमे की नमाज अदा की गई। ग्रामीण क्षेत्रों में भी पुलिस बल की मौजूदगी में शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न की गई।स्थिति को देखते हुए नगर के जगह जगह पर पुलिस बल तैनात रहा।देर शाम तक पुलिस प्रशासन अलर्ट रहा।

दबंग ने युवक की नाक दांतों से काटी

दियोरिया में मारपीट की घटना, पीड़ित ने दर्ज कराई रिपोर्ट

दियोरिया/पीलीभीत। उधार दिए गए पैसे की मांग पर एक दबंग ने युवक पर हमला कर उसकी नाक दांतों से काट दी, जिससे युवक घायल हो गया। शोर-शराबा सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो दबंग व्यक्ति गाली-गलौज करते हुए पुन: रुपये मांगने पर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। घटना की तहरीर पीड़ित युवक अंकित (कालीचरण का पुत्र, ग्राम गझाडा) ने पुलिस को दी। जानकारी के अनुसार, कुछ समय पूर्व अंकित ने गांव निवासी नन्हे लाल को 700 रुपये उधार दिए थे। भंडारे के दौरान अंकित ने पैसे की मांग की, जिस पर नन्हे लाल भड़क गया और मारपीट करते हुए अपने तेज दांतों से अंकित की नाक काट दी। पीड़ित अंकित किसी तरह दियोरिया कोतवाली पहुंचा और रिपोर्ट दर्ज करवाई। कोतवाली प्रभारी दिगम्बर सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी गई है।

मंदिरा की शॉप पर , साहब का दो पैक

खाकी को किया शर्मशार

लखनऊ। ये हाल है यूपी पुलिस के किसी एक साहब का जो पुलिसिया विभाग को शर्मसार करते नजर आ रहे मगर किसी एक की हरकत से पूरे महकमें को गलत नहीं कहा जा सकता। पूरा मामला राजधानी लखनऊ के थाना गुडंबा के अंतर्गत टेडीपुलिया चौराहे के पास देशी शराब ठेके का है । जहां एक वर्दी धारी शराब के ठेके पर शराब पीते नजर आ रहे हैं सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार ड्यूटी पर तैनात ये वर्दी धारी शराब पिएंगे तो जनता की सेवा कैसे होगी। कहीं नशे में कोई चूक न हो जाय इसलिए पुलिस कमिश्नर ध्यान दें। क्या उनके ऊपर कोई कार्रवाई होगी या साहब के हौसले नशे की लत में आगे और बुलंद होते रहेंगे। और जनता का भरोसा इन जैसे वर्दी धारियों से उठता नजर आएगा।

गोवंश को बचाने के चक्कर में डंपर दुर्घटना ग्रस्त, चालक सुरक्षित कोई हताहत नहीं

विशाल इंडिया पूनम तिवारी

अंबेडकर नगर। भीटी थाना क्षेत्र के रिवना बाजार में शुक्रवार शाम भारी बारिश और गोवंश को बचाने के चक्कर में एक डंपर ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया।घटना की सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक भीटी अमित कुमार पांडे पुलिस फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंच कर ड्राइवर को सुरक्षित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भीटी पहुंचाये। प्राप्त जानकारी के अनुसार विवेक मिश्रा पुत्र रामराज मिश्रा निवासी जानापुर थाना पूरा बाजार जनपद अयोध्या डंपर ट्रक लेकर महरुआ की तरफ जा रहा था तभी रिवना बाजार के पास अचानक एक छुट्टा गोवंश सामने आ गया जिसको बचाने के चक्कर में वह अनियंत्रित होकर रोड के किनारे खंभे से जा टकराया।दुर्घटना होते ही ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए और भीटी पुलिस को सूचना दिया।पटना की सूचना मिलते प्रभारी निरीक्षक भीटी अमित कुमार पांडे पुलिस फोर्स के साथ पहुंच कर ड्राइवर को गाड़ी में फंसे होने पर काफी मेहनत के बाद बाहर निकाला और नजदीकी अस्पताल भिजवाया। प्रभारी निरीक्षक भीटी ने बताया कि ड्राइवर की हालत सामान्य है गाड़ी मालिक को सूचना दे दी गई है।आगे की कार्रवाई की जा रही है।

वाराणसी में उर्दू टीचर का मर्डर

वाराणसी। वाराणसी में सरकारी मदरसा के उर्दू टीचर की बेरहमी से हत्या कर दी गई। उनका शव घर के कमरे में बेड पर पड़ा मिला। गला-चेहरा समेत शरीर के कई जगह गहरे घाव के निशान मिले। दीवारों और फर्श पर खून के निशान थे। घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य घर में ही मौजूद थे, लेकिन किसी को कुछ पता नहीं चला। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से सबूत जुटाए। मामला गुरुवार देर रात का बादशाह बाग का है। वारदात में पुलिस पत्नी की भूमिका संदिग्ध मान रही है। वाराणसी के बादशाह बाग निवासी दानिश रजा (40) सरकारी फरोग-ए-उर्दू मदरसे में उर्दू टीचर थे। उनके माता-पिता, दो भाई और चार बहनें हैं। वह सबसे छोटे थे। बड़े भाई छत्तीसगढ़ में डॉक्टर हैं। मृतक के दो छोटे बच्चे, 8 साल की बेटी और 5 साल का बेटा है। वह पत्नी और बच्चों के साथ घर के नीचे की मंजिल में रहते थे, जबकि परिवार के अन्य सदस्य ऊपरी मंजिल पर रहते हैं। शुक्रवार सुबह उनकी लाश घर में मिली। शव उनके ही कमरे की चारपाई पर पड़ा था। कमरे की दीवारों और फर्श पर खून के छींटे और धब्बे थे। शरीर पर धारदार हथियार से किए गए गहरे घाव थे।

गजरौला कला में दुर्गा जागरण का भव्य आयोजन

सैकड़ों श्रद्धालु पहुंचे, भजनों और झांकियों से भक्तिरस में डूबा माहौल

गजरौला। कला कस्बे में चल रहे ऐतिहासिक दुर्गा पूजा मेले के तहत 2 अक्टूबर की रात माता रानी का भव्य जागरण आयोजित किया गया। परंपरागत रूप से होने वाले इस आयोजन में सैकड़ों गांवों से श्रद्धालु पहुंचे और देर रात तक माता के भजनों में झूमते रहे। मेला कमेटी के तत्वावधान में आयोजित इस जागरण में कलाकारों ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की लीला और माता रानी की मनमोहक झांकी का मंचन किया। गंगापुरी गांव (थाना बरखेड़ा) के ओमप्रकाश और उनकी टीम ने भजनों और झांकियों के माध्यम से भक्तों को भाव-विभोर कर दिया। पूरे कस्बे में जागरण का माहौल भक्तिरस से सराबोर रहा और माता रानी के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। मेला कमेटी द्वारा मां शेरावाली के मंदिर पर आरती वंदना और सुबह हलवा-चना का प्रसाद वितरण भी किया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान जसोदा देवी पति नेम चंद बर्मा, पिचहत्तर सिंह, महेंद्र पाल शर्मा, नीरज वर्मा, आयुष राय, गोपाल, सर्वेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

लखनऊ में कॉलेज वैन को फॉरच्यूनर ने मारी टक्कर

लखनऊ। लखनऊ में तेज रफ्तार फॉरच्यूनर ने स्कूल वैन में टक्कर मार दी। वैन में सवार 2 छात्राएं घायल हो गईं। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनमें से एक छात्रा की कॉलर बोन टूट गई है। अन्य 7 बच्चे सुरक्षित हैं। उन्हें उनके परिजनों के साथ घर भेज दिया गया। पुलिस ने वैन और फॉरच्यूनर को कब्जे में ले लिया। पुलिस दोनों ड्राइवरों से पूछताछ कर रही है। वैन ड्राइवर का कहना है कि फॉरच्यूनर ड्राइवर ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए सामने से टक्कर मारी। उसके बाद उसमें सवार लोगों ने उनकी पिटाई की। स्थानीय लोगों की मदद से उन्होंने पुलिस को सूचना दी। घटना शुक्रवार सुबह 8 बजे महानगर इलाके के शालीमार गैलेंट चौराहे के पास हुई।

बरखेड़ा ब्लाक में घटिया सामग्री से बन रहा नाला, ग्रामीणों में आक्रोश

पीला व दोयम दर्जे की ईंट और देशी रेत का जमकर प्रयोग, जांच की मांग

दियोरिया/पीलीभीत। बरखेड़ा ब्लाक द्वारा बनवाये जा रहे लगभग 250 मीटर लंबे नाले में घटिया सामग्री के प्रयोग से ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा गया। आरोप है कि नाले के निर्माण में पीला और दोयम दर्जे की ईंटों का प्रयोग किया जा रहा है और देशी रेत का भी जमकर उपयोग हो रहा है।

ग्राम पिपराही के दक्षिण दिशा में बन रहे इस नाले का निर्माण गांव के गंदे व बरसाती पानी के निकास के लिए लाखों रुपये की लागत से किया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि यदि

जिलाधिकारी महोदय इस नाले की जांच किसी सक्षम अधिकारी से कराएं तो नाले में प्रयुक्त सामग्री की गुणवत्ता की पोल अधिकारियों के सामने खुल जाएगी। कुछ बुजुर्ग ग्रामीणों ने दबी जुबान में कहा कि इस घटिया निर्माण के कारण नाले का पानी सही तरह से निकास नहीं पाएगा और भविष्य में गंभीर समस्याएँ पैदा हो सकती हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तत्काल जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

सुहानी बारिश में हुआ माता दुर्गा की मूर्तियों का विसर्जन

विशाल इंडिया पूनम तिवारी

अंबेडकर नगर। भीटी तहसील क्षेत्र के महरुआ कस्बा क्षेत्र की दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन शुक्रवार को बारिश के दौरान उत्साह पूर्वक भक्ति मय माहौल में किया गया।किसी भी विषम परीक्षित के लिए एसडीएम भीटी धर्मेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में डीएसपी भीटी लक्ष्मीकांत मिश्रा,सप्लाई इंस्पेक्टर भीटी सुरेश कुमार सिंह राजस्व विभाग के साथ थाना अध्यक्ष महरुआ यादवेंद्र सोनकर के साथ बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स के जवान मौजूद रहे।लेखपाल रामचरण दुबे राजस्व निरीक्षक सरवन सिंह राजस्व निरीक्षक हरिश्चंद पाठक सहित राजस्व विभाग के कई लेखपाल तथा थाना अध्यक्ष महरुआ यादवेंद्र सोनकर के साथ उपनिरीक्षक बबलू चौधरी उप निरीक्षक प्रभात गंगवार उप निरीक्षक सुधीर त्रिपाठी उप निरीक्षक अमित कुमार सिंह ने सुरक्षा व्यवस्था की की जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठा रखी थी।लगभग चार दर्जन दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन महरुआ कस्बा क्षेत्र में शोभा यात्रा परिक्रमा के उपरांत विसर्जन घाट सरवन क्षेत्र के लिए हर्षोल्लाश के साथ रवाना किया गया। बूढ़े बुजुर्ग,युवा,महिलाएं बच्चे,माता रानी के भक्ति मय भजनों पर गानों पर झूमते गाते नाचते माता रानी से मनौती मांगते हुए विसर्जन में तत्पर दिखे।

इस दौरान महरुआ कस्बे में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई,आने जाने वालों को कोई परेशानी का सामना न करना पड़े इसके लिए महरुआ थाना पुलिस के जवान और एसडीएम भीटी के नेतृत्व में राजस्व विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। एसडीएम भीटी धर्मेंद्र कुमार सिंह के दिशा निर्देशन पर किसी भी आकस्मिक घटना दुर्घटना के लिए एंबुलेंस,डॉक्टर,फर्स्ट एड की व्यवस्था पर्याप्त मात्रा में की गई थी रूट रूट डायवर्जन के चलते कस्बे में जाम की समस्या कहीं पर नहीं दिखी। इस दौरान विसर्जन में सहयोग के लिए ग्राम प्रधान रत्नेश सिंह समाजसेवी दयाराम दुबे, एडवोकेट पूर्व प्रत्याशी भीटी चतुर्थ पिंकू दुबे महरुआ,मिथुन गुप्ता,संदीप यादव रवी अग्रहरि,बबलू मिष्ठान भंडार के सभी सदस्य।

मिशन शक्ति अभियान में महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक किया

ललितपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति अभियान के पांचवें चरण के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों की एण्टी रोमियों टीम/मिशन शक्ति द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र में जाकर सार्वजनिक स्थानों,स्कूलों कॉलेजो व पार्कों में महिलाओं/छात्राओं को महिला सशक्तिकरण से संबंधित बातें व कार्यक्रम के अंतर्गत कानून की जानकारी देते हुए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत किए गए विभिन्न हेल्पलाइन नंबर जैसे, 1090 - वूमेन पावर लाइन 1076-मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1098 - चाइल्ड हेल्पलाइन 181 -महिला हेल्पलाइन 112 -पुलिस आपातकालीन सेवा,102 स्वास्थ्य सेवा 108 एंबुलेंस सेवा साइबर हेल्पलाइन नंबर - 1930 के बारे में जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक किया गया।

महिला थानाध्यक्ष ने चौपाल लगाकर महिलाओं, बालिकाओं को किया जागरूक

ललितपुर। मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 के अंतर्गत महिला थानाध्यक्ष ललितपुर द्वारा ग्राम चौपाल छिपाई थाना जखौरा ललितपुर में जन चौपाल का आयोजन किया गया। इस चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं, किशोरियाँ एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। महिला थानाध्यक्ष ललितपुर ने चौपाल में उपस्थित लोगों को महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण से संबंधित योजनाओं, कानूनों एवं सरकार द्वारा संचालित कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से 1090 महिला हेल्पलाइन, 112 आपातकालीन सेवा, 181 महिला हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन एवं अन्य सहायता नंबरों के उपयोग पर जोर दिया, जिससे महिलाएं त्वरित रूप से अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकें। इस अवसर पर उन्होंने घरेलू हिंसा, बाल विवाह, महिला उत्पीड़न, साइबर अपराध एवं मानव तस्करी जैसे गंभीर मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की और जागरूक किया कि किसी भी प्रकार की समस्या या अपराध होने पर तुरंत पुलिस या संबंधित हेल्पलाइन से संपर्क करें। जन चौपाल में उपस्थित महिलाओं एवं बच्चियों को सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया गया व आश्वस्त किया कि ललितपुर पुलिस सदैव महिलाओं एवं बच्चियों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है तथा प्रत्येक महिला और बच्ची की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है ।

जुमे की नमाज को लेकर पुलिस अलर्ट : एसपी ने किया फ्लैग मार्च

फ्लैग मार्च के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में तैनात पुलिस बल को दिये निर्देश

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक द्वारा जनपद में शांति व्यवस्था बनाए रखने एवं आम जनमानस में सुरक्षा की भावना सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शुक्रवार (जुमे) की नमाज के दृष्टिगत शहर क्षेत्रान्तर्गत प्रमुख मस्जिदों एवं संवेदनशील स्थलों पर फ्लैग मार्च कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस अधीक्षक ने आमजनमानस से संवाद स्थापित कर उन्हें किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने एवं कानून व्यवस्था में सहयोग बनाए रखने की अपील की। फ्लैग मार्च के दौरान जनपद की समस्त मस्जिदों एवं उनके

आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था में लगे पुलिस बल को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इस दौरान पुलिस अधीक्षक के साथ अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह, क्षेत्राधिकारी सदर, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली एवं पर्याप्त संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। गश्त के दौरान प्रमुख चौराहों, सार्वजनिक स्थलों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में संदिग्ध व्यक्तियों तथा वाहनों की सघन चेकिंग की गई। चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस बल को निर्देशित किया गया कि वह स्वयं यातायात के नियमों का अनुपालन करना सुनिश्चित करें तथा वाहन संबंधी दस्तावेजों की जांच एवं संदिग्ध व्यक्तियों पर सतर्क निगरानी रखते हुए उनकी नियमानुसार जांच कर आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करेंगे ।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में दौराने चैकिंग, यातायात नियमों (बिना नम्बर प्लेट वाहन, ब्लैक फिल्म, बिना हेल्मेट/बिना सीटबेल्ट आदि) का पालन न करने वाले वाहन स्वामियों के विरूद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही अमल में लायी गयी ।

मथुरा में भाजपा नेता के भतीजे की हत्या

मथुरा। मथुरा में गुरुवार देर रात भाजपा नेता के भतीजे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या के करने के बाद आरोपी मौके से भाग गए। युवक अजीत अपने पिता और भाई के साथ दशहरा मेला देखकर घर लौट रहा था। रास्ते में बाइक टकराने को लेकर उसका कुछ लड़कों के साथ विवाद हो गया। अजीत के पिता ने आरोपियों को खिलाफ तहरीर दी है। उनका कहना है कि विवाद न हो इसके लिए हम लोग अपने भाई के घर चले गए। फिर भी आरोपी पीछा करते हुए हमारे पीछे पहुंच गए। मेरे बेटे को गोली मार दी। घटना छाता थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे से गोवर्धन की तरफ जाने वाले रास्ते पर फ्लाईओवर की है। बरसाना के आजनौक गांव के रहने वाले जगदीश अपने बड़े बेटे अजीत और रामवीर के साथ दशहरा मेला देखने छाता गए थे।

एसपी ने गांधी जयंती पर माल्यार्पण किया : पुलिस बल को शपथ दिलाई

ललितपुर । रिजर्व पुलिस लाइन में राष्ट्रीय पर्व राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुरशास्त्री जी की जयंती के अवसर पर पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक द्वारा दोनों महापुरूषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया गया ।कार्यक्रम की शुरुआत गांधी जी व शास्त्री जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गयी । तत्पश्चात प्रतिभाग करने वाले सभी पुलिस अधि0/कर्म0गण को उक्त कार्यक्रम के दृष्टिगण संकल्प की शपथ दिलाई गयी। पुलिस अधीक्षक द्वारा महात्मा गांधी जी के सिद्धांत सत्य और अहिंसा तथा शास्त्री जी के सिद्धांत जय-जवान, जय-किसान तथा देश की प्रगति, एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने के लिए इनके द्वारा किये गये अद्वितीय कार्यों/संदेश को जन-जन तक पहुचाने के लिए तथा स्वयं में आत्मसात् करने के लिए प्रेरित किया गया। उपस्थित पुलिस बल/रिक्रूट आरक्षियों/आगन्तुकों को मिष्ठान वितरित कर शुभकामनाएं दी गई ।इस मौके पर प्रतिसार निरीक्षक व अन्य पुलिस अधि0/कर्म0 गण मौजूद रहे।

डेल्टा एयरलाइन के विमान आपस में टकराए, एक का पंख तो दूसरे की नोज टूटी

-यात्रियों में मचा हड़कंप, सोशल मीडिया पर हादसे की तस्वीरें वायरल

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में बुधवार रात ला गार्डिया एयरपोर्ट पर डेल्टा एयरलाइंस की दो फ्लाइट्स आपस में टकरा गईं। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक डेल्टा रीजनल जेट गेट की ओर बढ़ रहा था, जबकि उसी समय दूसरी डेल्टा फ्लाइट लैंडिंग के बाद गेट की तरफ आ रही थी। इसी दौरान दोनों के रास्ते टकरा गए और अचानक रीजनल जेट का पंख दूसरी फ्लाइट की नोज से जा टकराया। टक्कर से रीजनल जेट का पंख टूटकर गिर गया। एटीसी के ऑडियो के हवाले से कहा गया है कि पायलट्स ने स्थिति को तुरंत रिपोर्ट किया, लेकिन तब तक हादसा हो चुका था। इस टक्कर के बाद यात्रियों में दहशत फैल गई। यात्रियों को अचानक जोर का झटका लगा और लोग डर के मारे उठ खड़े हो गए। हालांकि, राहत की बात यह रही कि बड़ा नुकसान नहीं हुआ। एक यात्री के घायल होने की खबर है। सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें वायरल हो रहा है। फोटो में साफ दिख रहा है कि एक विमान का पूरा पंख गायब है, जबकि दूसरी फ्लाइट का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिस विमान ने टक्कर मारी है उस पर नंबर 15480 साफ नजर आ रहा है। तस्वीरों में यात्री विमान से बाहर निकलते और रनवे पर खड़े दिख रहे हैं। वहीं, क्रू मेंबर्स और सुरक्षा अधिकारी हालात को काबू में करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, अब तक ला गार्डिया एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

जापान में बन सकती हैं पहली महिला पीएम

-साने ताकेइची पांच उम्मीदवारों में सबसे मजबूत

टोक्यो (एजेंसी)। जापान में पीएम शिगेरू इशिबा ने 7 सितंबर को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। अब उनकी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी पार्टी में 4 अक्टूबर को पार्टी अध्यक्ष पद के लिए चुनाव है। जापान में बहुमत वाली पार्टी का अध्यक्ष ही पीएम बनता है। ऐसे में यह चुनाव जो भी जीतेगा उसे संसद में वोटिंग के बाद पीएम बनाया जाएगा। पार्टी अध्यक्ष पद बनने की रेस में पांच उम्मीदवार हैं। लेकिन मुकाबला दो उम्मीदवारों के बीच ही है। एक सर्वे के मुताबिक, पूर्व आर्थिक सुरक्षा मंत्री साने ताकाइची 34.4 प्रतिशत वोट के साथ सबसे आगे हैं। दूसरे नंबर पर कृषि मंत्री शिंजिरो कोइजुमी हैं, जिन्हें 29.3 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिला है। अगर ताकाइची यह चुनाव जीतती हैं तो वह जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनेंगी। वहीं, कोइजुमी चुनाव जीतते हैं तो वे देश के सबसे युवा (45 साल) पीएम बनेंगे।

इस्लामाबाद प्रेस क्लब में प्रदर्शन कर रहे पत्रकारों पर पुलिस ने किया हमला

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में अत्याचारों और इंटरनेट ब्लैकआउट के खिलाफ इस्लामाबाद प्रेस क्लब में प्रदर्शन कर रहे पत्रकारों और लोगों पर पुलिस के अचानक हमले के बारे में है। पुलिस प्रदर्शन खत्म कराने पहुंची, झड़प शुरू हुई। कुछ प्रदर्शनकारी भागकर प्रेस क्लब में घुस गए, जिनका पीछा करते हुए पुलिस क्लब के अंदर चली गई और लाठीचार्ज किया। पत्रकारों ने जब मोबाइल और कैमरे से घटना को रिकॉर्ड करने की कोशिश की, तब पुलिस के द्वारा उन्हें भी पीटा गया। प्रेस क्लब के कम से कम दो फोटोग्राफर और तीन कर्मचारी घायल हुए। कई पत्रकारों के कैमरे और मोबाइल तोड़ दिए गए। पुलिस ने कहा कि उन्होंने पत्रकारों को गलती से निशाना बनाया। घटना पर पूरे पाकिस्तान में नाराजगी जाहिर की गई और वरिष्ठ पत्रकारों ने पुलिस की कार्रवाई को प्रेस की स्वतंत्रता पर सीधा हमला बताया। वहीं पाकिस्तान सरकार में गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने घटना की जांच के आदेश देकर कहा कि पत्रकारों पर हिंसा बर्दाश्त नहीं होगी और दोषी पुलिसकर्मियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी। गृह राज्य मंत्री तलाल चौधरी प्रेस क्लब पहुंचे और पत्रकारों से माफी मांगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार जांच कराएगी और जिम्मेदारों को सजा मिलेगी। उन्होंने बोलने की आजादी के समर्थन की बात भी कही। यह घटना पाकिस्तान में प्रेस की स्वतंत्रता और पुलिस के बल प्रयोग को लेकर सवाल खड़े करती है।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव ने गांधी के संदेशों में शक्ति और प्रेरणा तलाशने का आह्वान किया

न्यूयार्क (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने महात्मा गांधी के संदेशों में शक्ति और प्रेरणा तलाशने का आह्वान किया है ताकि एक न्यायपूर्ण, टिकाऊ और शांतिपूर्ण विश्व का निर्माण किया जा सके। उन्होंने 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के मौके पर कहा कि गांधीजी समझते थे कि अहिंसा कमजोरों का नहीं, बल्कि साहसी लोगों की ताकत है। यह शक्ति बिना घृणा के अन्याय का विरोध करने, क्रूरता के बिना उत्पीड़न का सामना करने, और सम्मान के माध्यम से शांति स्थापित करने की है। गुटेरस ने मौजूदा खतरनाक और विभाजित समय पर चिंता व्यक्त की, जहां हिंसा संवाद का स्थान ले रही है और शांति की नींव दबाव में है। उन्होंने आह्वान किया कि सभी गांधी के नेतृत्व का अनुसरण करें ताकि दुखों को समाप्त किया जा सके, कूटनीति को आगे बढ़ाया जा सके, विभाजनों को दूर किया जा सके और सभी के लिए एक न्यायपूर्ण, स्थायी और शांतिपूर्ण दुनिया बनाई जा सके।

पीएम मोदी ऐसा कोई कदम नहीं उठाएंगे जिससे भारत अपमानित हो: पुतिन

मॉस्को (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसा कोई काम नहीं करते हैं जिससे भारत की जनता अपमानित महसूस करे। वे अपने देश साख बढ़ाने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। सोची में आयोजित वल्दाई डिस्कशन क्लब में अपने संबोधन के दौरान पुतिन ने पश्चिमी देशों के नेताओं पर युद्ध का डर फैलाने और अपनी घरेलू समस्याओं से ध्यान हटाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि रूस-यूक्रेन युद्ध में नाटो देश पहले से ही सीधे तौर पर शामिल हैं और रूसी सेना रणनीतिक पहल बनाए रखते हुए आत्मविश्वास से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि यूरोप के शासक अपने घरेलू मुद्दों को नजरअंदाज कर जनता में दहशत पैदा कर रहे हैं।

पुतिन ने अमेरिका द्वारा भारत को रूसी ऊर्जा आपूर्ति छोड़ने की सलाह पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, अगर भारत हमारी ऊर्जा आपूर्ति से इनकार करता है, तो उसे नुकसान होगा। भारतीय जनता अपने नेतृत्व के फैसलों पर नजर रखेगी और किसी के सामने अपमान नहीं सहेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि वह कभी भी अपमानजनक कदम नहीं उठाएंगे। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा, रूस भारत और चीन जैसे देशों का आभारी है जिन्होंने ब्रिक्स की स्थापना की। ये ऐसे देश हैं जो किसी का पक्ष लेने से इनकार करते हैं और वास्तव में एक न्यायपूर्ण विश्व बनाने की आकांक्षा रखते हैं। पुतिन ने यूक्रेन संघर्ष में मध्यस्थता के लिए ब्रिक्स देशों, बेलारूस, उत्तर कोरिया और यूएई जैसे देशों के प्रयासों की सराहना की। हालांकि, उन्होंने यूरोप के कुछ देशों पर संघर्ष को बढ़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि रूसी सेना लगभग पूरे संपर्क रेखा पर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही है।

अमेरिका के साथ संबंधों को लेकर रुसी राष्ट्रपति ने कहा कि वैश्विक मुद्दों पर हमारे विचार टकराते हैं, जो कि इतने बड़े देशों के लिए स्वाभाविक है। लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि इन मतभेदों को शांतिपूर्ण तरीके से कैसे सुलझाया जाए। उन्होंने वर्तमान अमेरिकी प्रशासन की सीधी और बिना पाखंड वाली नीति की तारीफ की, लेकिन जोर देकर कहा कि रूस भी अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर काम करेगा। उन्होंने अमेरिका के साथ पूर्ण संबंध बहाल करने की इच्छा भी जताई।पुतिन ने यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें देने की संभावना पर चेतावनी दी और कहा कि यह अमेरिकी सैन्य कर्मियों के बिना संभव नहीं है। उन्होंने इसे रूस और अमेरिका के बीच संबंधों में गुणात्मक रूप से नई और खतरनाक वृद्धि करार दिया।

कागजी शेर ही है तो नाटो से लड़ रहे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूस को पेपर टाइगर यानी कागजी शेर कहने पर पुतिन ने तंज कसते हुए कहा, अगर हम एक कागजी शेर होते हुए भी नाटो के खिलाफ लड़ रहे हैं, आगे बढ़ रहे हैं और आत्मविश्वास से भरे हैं, तो नाटो क्या है? उन्होंने रूस की वित्तीय प्रणाली को और मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया, विशेष रूप से मुद्रास्फीति को कम करने और आर्थिक विकास को बनाए रखने के लिए। पुतिन ने यूरोप के नेताओं पर युद्ध की आशंका को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, वे या तो अविश्वसनीय रूप से अक्षम हैं या फिर बेईमान। उन्होंने यूरोप की बढ़ती सैन्यीकरण पर चिंता जताई और चेतावनी दी कि रूस इसका जवाब देने के लिए तैयार है। नाटो के साथ टकराव को लेकर पुतिन ने दावा किया कि सभी नाटो देश हमारे खिलाफ लड़ रहे हैं और अब इसे छिपा भी नहीं रहे। उन्होंने कहा कि यूरोप में एक केंद्र बनाया गया है जो यूक्रेनी सेना को खुफिया जानकारी, हथियार और प्रशिक्षण प्रदान करता है।

पेशावर में धमाका- 9 की मौत, मरने वालों में अधिकांश अधिकारी शामिल

इस्लामाबाद। पुलिस और अधिकारियों को टारगेट करते हुए पेशावर में हुए आतंकी हमले में कम से कम 9 लोगों की जान चली गई। इसमें अधिकांश कानून प्रर्वतन अधिकारी शामिल हैं। ये धमाका उस वक्त हुआ जब सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर सड़क पर एक उपकरण लगाया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मसूद बंगश ने बताया कि कानून प्रर्वतन अधिकारी घटनास्थल की जांच में लगे हुए हैं और साक्ष्य इकट्ठे किए जा रहे हैं। यह पाकिस्तान में हाल ही में हुआ अकेला धमाका नहीं है। पुलिस अधिकारी मियां सईद ने बताया कि यह विस्फोट विशेष रूप से पुलिस और सुरक्षाबलों के अधिकारियों को निशाना बनाने के लिए कैपिटल सिटी में किया गया था। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि जिस विस्फोटक उपकरण का उपयोग किया गया था वह पुलिस वैन के रास्ते में लगाया गया था। उन्होंने कहा कि घायल हुए अधिकारियों की हालत गंभीर बनी हुई है। बम विस्फोट के बाद तुरंत बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों को घटनास्थल पर तैनात किया गया और पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। इससे पहले 30 सितंबर को बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में फ्रंटियर कॉर्प्स हेडक्वार्टर के पास की एक सड़क पर भी शक्तिशाली विस्फोट हुआ था। उस हमले में कम से कम 10 लोगों की मौत हुई थी और 32 लोग घायल हो गए थे। बलूचिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री बख्त मुहम्मद काकर ने भी क्वेटा में हुए धमाकों में मृतकों की संख्या की पुष्टि की थी और बताया था कि सभी घायलों को नजदीकी सिविल अस्पताल ले जाया गया था। पाकिस्तान में सुरक्षा बलों को लगातार निशाना बनाने वाली ये घटनाएँ गंभीर चिंता का विषय बनी हुई हैं।

दुनिया के पहले सबसे अमीर बने एलन मस्क, संपत्ति 500 अरब डॉलर तक पहुंची

वॉशिंगटन (एजेंसी)। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क 500 अरब डॉलर की नेट वर्थ का आंकड़ा छूने वाले दुनिया के पहले व्यक्ति बन गए हैं। उनकी संपत्ति में बढ़त की वजह टेस्ला और स्वामित्व वाली अन्य कंपनियों के वैल्यूएशन में इजाफा होना है। मस्क की संपत्ति सीधे तौर पर टेस्ला के शेयर से जुड़ी हुई है। 15 सितंबर तक कंपनी में उनकी हिस्सेदारी करीब 12.4 प्रतिशत थी। टेस्ला के शेयरों में 2025 में अब तक 14 प्रतिशत से अधिक चढ़ चुके हैं। आखिरी कारोबारी सत्र में भी मस्क के नेतृत्व वाली इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी के शेयर में 3.5 प्रतिशत का इजाफा हुआ, जिससे उनकी संपत्ति 8 अरब डॉलर से अधिक बढ़ी।

फोर्ब्स की बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक, मस्क की संपत्ति बुधवार को शाम 4=15 पर (अमेरिकी समय के अनुसार) 500.1 अरब डॉलर थी। हालांकि, शेयरों की कीमत में उतार-चढ़ाव के चलते फिलहाल उनकी संपत्ति 499.1 अरब डॉलर हो गई है। फोर्ब्स की बिलेनियर इंडेक्स में मस्क के बाद लैरी एलिसन का नाम आता है और उनकी संपत्ति करीब 350 अरब डॉलर डॉलर है, जो कि मस्क से करीब 150 अरब डॉलर कम है।

टेस्ला के शेयर में तेजी की वजह, व्हाइट हाउस के कार्यों में समय बिताने के बाद मस्क की ओर से कंपनी पर फिर से फोकस करना है। बीते महीने टेस्ला बोर्ड के अध्यक्ष रोबिन डेनहोम ने कहा था कि व्हाइट हाउस को महीनों देने के बाद मस्क फिर से टेस्ला को पूरा समय दे रहे हैं। इसके कुछ समय बाद मस्क ने टेस्ला के एक अरब डॉलर के शेयर खरीदने का ऐलान किया था, जिससे निवेशकों का विश्वास फिर से कंपनी पर और बढ़ा। मस्क के एआई स्टार्टअप एक्सएआई और अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स ने इस साल अपने मूल्यांकन में बढ़ोतरी देखी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, जुलाई तक एक्सएआई का मूल्यांकन 75 अरब डॉलर था। वहीं, स्पेस एक्स की वैल्यूएशन करीब 400 अरब डॉलर पहुंच गई है।

जर्मनी में मंडराने लगे करीब डेढ दर्जन ड्रोन, दहशत के चलते एयरपोर्ट किया बदं, 3 हजार यात्री फंसे

बर्लिन (एजेंसी)। जर्मनी का दूसरा सबसे बड़ा म्यूनिख एयरपोर्ट अचानक बंद कर दिया गया और वहां से उड़ने वाले विमानों का रास्ता बदल दिया गया है। इसकी वजह ये है कि जर्मनी में अचानक करीब 17 ड्रोन उड़ते दिखाई दिए जिसके बाद दहशत फैल गई और ऐतिहात के तौर पर तत्काल प्रभाव से उपरोक्त कदम उठाए गए। एयरपोर्ट प्रशासन के मुताबिक, इस घटना में 17 फ्लाइट्स रद्द हो गईं और करीब 3,000 यात्री फंस गए।सिर्फ इतना ही नहीं, 15 फ्लाइट्स को स्टटगार्ट, नूर्नबर्ग, फ्रैंकफर्ट और पड़ोसी ऑस्ट्रिया के विएना एयरपोर्ट पर डायवर्ट करना पड़ा। यात्रियों में अफरा-तफरी का माहौल रहा लेकिन एयरपोर्ट अधिकारियों ने कहा कि हालात काबू में हैं और सुबह 5 बजे से संचालन फिर से शुरू कर दिया जाएगा।

म्यूनिख एयरपोर्ट, जो जर्मन एयरलाइन लुफ्थांसा का हब है, ने इस साल के पहले छह महीनों में करीब 2 करोड़ यात्रियों को संभाला है। इतनी बड़ी संख्या में यात्रियों के बीच अचानक ड्रोन अलर्ट से न केवल एयरपोर्ट बल्कि पूरी एयरलाइंस व्यवस्था प्रभावित हुई। एक यात्री ने एयरपोर्ट हेल्पलाइन पर बताया- कुछ फ्लाइट्स उड़ान भरने का इंतजार कर रही हैं, कुछ रद्द हो गई हैं। हालांकि स्थिति नियंत्रण में है। म्यूनिख सिर्फ एक उदाहरण है। पिछले हफ्ते ही डेनमार्क में कई एयरपोर्ट्स पर ड्रोन दिखे थे, जिससे दसियों हजार यात्री प्रभावित हुए। इसके बाद डेनमार्क ने सभी नागरिक ड्रोन उड़ानों पर रोक लगा दी। बता दें कि यह घटना ऐसे समय हुई है जब हाल के दिनों में यूरोप के कई नाटो देशों में ड्रोन देखे जाने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। पिछले हफ्ते ही डेनमार्क और पोलैंड के हवाई क्षेत्र में अज्ञात ड्रोन देखे गए थे, जिससे हवाई यातायात घंटों बाधित रहा।

ड्रोन घटनाओं को लेकर यूरोपीय संघ के नेताओं की बैठक डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन में हुई। यहां सुरक्षा एजेंसियों ने साफ कहा कि ये घटनाएं रूस की चुनौती का हिस्सा हो सकती हैं। हालांकि डेनमार्क ने सीधा आरोप नहीं लगाया, लेकिन प्रधानमंत्री मेटे फेडरिकसन ने इशारों में रूस की ओर उंगली उठाई। उन्होंने कहा- 'यूरोप को अब अपनी सुरक्षा खुद मजबूत करनी होगी। हमें न सिर्फ ड्रोन बनाने की क्षमता बढ़ानी है, बल्कि एंटी-ड्रोन सिस्टम भी तैयार करने होंगे।'यूरोपीय आयोग की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने 'ड्रोन वॉल' बनाने का विचार पेश किया है। इसका मतलब है कि यूरोप की पूर्वी सीमाओं पर एक ऐसा सुरक्षा जाल तैयार किया जाए जिसमें सेंसर, रडार और हथियार तैनात हों, ताकि किसी भी संदिग्ध ड्रोन को तुरंत पहचानकर गिराया जा सके।

बजट कटौती के खिलाफ फ्रांस में ट्रेड यूनियनों की हड़ताल, हजारों लोग सड़कों पर उतरे

पेरिस। अगले साल के बजट में भारी कटौती की योजनाओं के खिलाफ ट्रेड यूनियनों की हड़ताल में गुरुवार को 85 हजार से ज्यादा लोग शामिल हुए। उन्होंने मार्च निकाला। इसमें शिक्षक और स्वास्थ्य कर्मचारी समेत अन्य लोग भी शामिल हुए। इसके कारण एफिल टावर बंद करना पड़ा। ये राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और पीएम सेबेस्टियन लेकोर्नू पर दबाव बनाए हुए है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रेड यूनियन नेता सार्वजनिक सेवाओं पर ज्यादा खर्च, सेवानिवृत्ति की आयु में वृद्धि को वापस लेने और अमीरों पर ज्यादा कर लगाने की मांग कर रहे हैं। इनमें फ्रांस के सबसे बड़े संघ, सीएफडीटी और कट्टरपंथी सीजीटी के नेता शामिल हैं। सीजीटी की महासचिव सोफी बिनेट ने बताया कि पिछले बजट प्रस्ताव में श्रमिकों से संबंधित सभी कटौती को हमेशा के लिए खत्म करना होगा। बजट में कटौती के चलते घटा था पद पिछले पीएम फ्रांस्वा बायरू को 44 अरब यूरो के बजट में कटौती की योजना के चलते संसद ने पद से हटा दिया था। हालांकि, गुरुवार को सड़कों पर उतरने वाले लोगों की संख्या पिछले दिनों हुए प्रदर्शनों की तुलना में कम थी। लड़ाई जारी रखनी होगी नैनटेस में विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए डोमिनिक मेनियर ने कहा कि हमें लड़ाई जारी रखनी होगी, भले ही हममें से ज्यादा लोग न हों। हर बार हमें एक दिन का नुकसान होता है, लेकिन लोकतंत्र आमतौर पर इसी तरह आगे बढ़ता है।

पीओके में जारी विरोध प्रदर्शनों और हिंसा के बाद पाकिस्तान की सरकार झुकी

संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी से बातचीत शुरु

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बीते एक हफ्ते से जारी विरोध प्रदर्शनों और हिंसा के बाद पाकिस्तान की सरकार झुकती दिख रही है। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने रास्ता निकालने के लिए जम्मू-कश्मीर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएसी) से बातचीत शुरू कर दी है। हालांकि उच्च-स्तरीय प्रयासों के बावजूद शरीफ सरकार की जेएसी और पीओके सरकार के बीच बातचीत बहुत आगे नहीं बढ़ सकी है। गुरुवार को तीनों पक्ष बातचीत के लिए बैठे लेकिन वार्ता कुछ समय बाद ही रुक गई।

जेएसी नेता शौकत नवाज मीर ने कहा है कि पाकिस्तान सरकार को कम्युनिकेशन ब्लैकआउट हटाकर मोबाइल-इंटरनेट सेवा बहाल करनी चाहिए। जेएसी कमेटी ने साफ किया है इसके बिना बातचीत जारी नहीं रखी जा सकती है। दूसरी ओर पाक सरकार के प्रतिनिधियों ने चीजें ठीक होने और शांति लौटने की उम्मीद जाहिर है। सरकार का कहना है कि जो कुछ बातचीत हुई है, वह अच्छे माहौल में हुई और दोनों पक्षों ने एक-दूसरे की बात ध्यान से सुनी।

पाकिस्तान की शाहबाज सरकार ने कहा है कि वह पीओके के लोगों की जायज मांगों में उनके साथ है। हम चाहते हैं कि समस्याओं का समाधान बातचीत के द्वारा होना चाहिए, सड़कों पर टकराव से ये नहीं होगा। पीएम शरीफ के कार्यालय की ओर से कहा गया है कि इस्लामाबाद से उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल पीओके भेजा गया है। बयान में कहा गया है कि शहबाज सरकार लोगों की शिकायतों के समाधान के लिए तैयार है।

शरीफ सरकार ने यह कदम तब उठाया है, जब जेएसी ने विभिन्न मांगों को लेकर पीओके में हड़ताल बुलाई है। इसके चलते पूरा पीओके ठप्प पड़ा है। पीओके में विरोध प्रदर्शन के दौरान कई जगहों पर हिंसा हुई है। सुरक्षाबलों ने आम लोगों पर गोली चलाई है, तब कई जगहों पर सुरक्षाकर्मियों को पीटा गया है। पीओके में हिंसा के ताजा दौर में अब तक 10 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। पीओके में हिंसा पर अंतर्राष्ट्रीय अधिकार समूहों ने चिंता जाहिर की है। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने पाकिस्तान सरकार से शांतिपूर्ण सभा के अधिकार की रक्षा करने, प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग से बचने और संचार प्रतिबंधों को हटाने का आग्रह किया। पाकिस्तान के मानवाधिकार संगठनों ने हिंसा पर चिंता जाहिर की है।

अब मोरक्को में जेन-जी का गुस्सा भडक़ा

– हॉस्पिटल नहीं और वर्ल्ड कप पर 10 अरब डॉलर फूंक रहे; 3 की मौत, 1000 गिरफ्तार

रबात (एजेंसी)। उत्तरी अफ्रीकी देश मोरक्को में स्वास्थ्य और शिक्षा सुधारों की मांग को लेकर भडक़ा जेन-जी आंदोलन हिंसक हो गया। राजधानी रबात में प्रदर्शनकारियों ने बैंक फूंक दी। कई दुकानों-गाडिय़ों में तोडफ़ोड़ की। आगादिर शहर में पुलिस की गोली से 3 युवाओं की मौत हो गई। वहीं एक हजार से ज्यादा लोग गिरफ्तार किए गए। 354 लोग घायल हुए हैं, जिनमें अधिकतर सुरक्षाकर्मी हैं। मंत्रालय के मुताबिक, लगभग 70 प्रतिशत प्रदर्शनकारी नाबालिग थे।

मोरक्को की सरकार 2030 फीफा वर्ल्ड कप और अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के लिए 10 अरब डॉलर (करीब 8.8 लाख करोड़ रुपए) खर्च कर रही है। जबकि देश में सरकारी अस्पतालों में सुविधाओं की भारी कमी है।

प्रदर्शनकारियों का कोई नेता नहीं

युवाओं के नेतृत्व वाले इस विरोध आंदोलन को त्रद्गठ्ठ 212 कहा जा रहा है। 212 मोरक्को के इंटरनेशनल टेलीफोन डायलिंग कोड है। विदेश से मोरक्को में किसी को कॉल करने पर नंबर के पहले +212 लगाते हैं। नेपाल की तरह भी मोरक्को में भी विरोध प्रदर्शन करने वाले युवाओं का कोई लीडर नहीं है। लोग सोशल मीडिया के जरिए से रैली कर रहे हैं। मोरक्को में बेरोजगारी दर 12.8 प्रतिशत है, जिसमें युवा बेरोजग़ारी 35.8 प्रतिशत और स्नातकों में 19 प्रतिशत तक पहुंच गई है। मोरक्को में 1430 लोगों पर एक डॉक्टर है, जो दुनिया के औसत (590) से ढाई गुना कम है। आगादिर के हसन-2 हॉस्पिटल में 8 महिलाओं मौत हो गई। इसे 'डेथ हॉस्पिटल' कहा जा रहा है।

अब हमास नहीं माना तो समझो खेल खत्म: ट्रम्प का अंतिम अल्टीमेटम कितना होगा प्रभावी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। इजराइल-हमास युद्ध को लेकर अमेरिका ने बड़ा दांव चला है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने विगत रात वॉशिंगटन डीसी में मुलाकात के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की थी। इसमें नेतन्याहू ने गाजा में सीजफायर पर सहमति जताई, जबकि ट्रम्प ने 20 पॉइंट का शांति प्लान दुनिया के सामने रखा, जिसकी भारत समेत अनेक देशों ने तारीफ की है। वहीं हमास तुरत हथियार डालने के पक्ष में नहीं है, उसे सोचने-विचारने के लिए समय चाहिए। इस बीच वैश्विक प्रतिक्रियाएं बता रही हैं कि यह राह इतनी आसान भी नहीं है, जितनी कि ट्रंप फार्मूला का समर्थन करने वाले बता रहे हैं।

बहरहाल अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने साफ लफ्जों कह दिया, कि अगर हमास इस प्लान को नहीं मानता तो इजराइल को उसे खत्म करने का पूरा अधिकार है और अमेरिका इस कदम में उसका साथ देगा। मतलब साफ है कि अब हमास के पास कोई दूसरा रास्ता नहीं बचा है, उसे इसे मानना ही पड़ेगा, वर्ना खेल खत्म है। दरअसल इजराइली प्रधानमंत्री ने इस प्लान को लेकर कहा है, कि गाजा में एक शांतिपूर्ण प्रशासन बनाया जाएगा और हमास के हथियार पूरी तरह हटाए जाएंगे। इसके बाद इजराइल धीरे-धीरे गाजा से पीछे हटेगा। नेतन्याहू ने चेतावनी भी दी कि यह प्रक्रिया आसान या मुश्किल, किसी भी तरीके से पूरी की जाएगी।

हमास और फिलिस्तीन की प्रतिक्रिया

हमास ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए हथियार डालने से इनकार कर दिया। उसका कहना है कि अब तक उसे इस प्लान का औपचारिक प्रस्ताव नहीं मिला है। दूसरी ओर, फिलिस्तीनी सरकार ने ट्रम्प की पहल का स्वागत किया और कहा कि इससे शांति की नई उम्मीदें जागी हैं। यहां गाजा में शांति सेना भेजने के लिए तैयार बैठे पाकिस्तान के लिए भी रास्ता आसान नहीं है। दरअसल इस मामले को लेकर शहबाज सरकार अपने ही घर में घिरती दिखी है। ट्रंप प्लान का समर्थन करने को लेकर पाकिस्तान के लोगों ने अपनी ही सरकार को आड़े हाथों लिया है। इससे स्पष्ट है कि यह रास्ता उतना भी आसान नहीं रहने वाला, जितना कि ट्रंप ने प्लान रखते हुए बताया है।

ट्रम्प का कहना है कि यह योजना गाजा में स्थायी शांति, विकास और बेहतर जीवन का रास्ता खोल सकती है। लेकिन, सबसे बड़ी बाधा हमास की स्वीकृति है। अगर हमास मानता है तो संघर्ष का अंत संभव है, और अगर नहीं, तो ट्रम्प के शब्दों में- 'खेल खत्म।'

भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच विकेट पर 448 रन बनाये , राहुल , जुरेल और जडेजा ने लगाये शतक

–286 रनों की बढ़त हासिल की

अहमदाबाद (एजेंसी)। ध्रुव जुरेल 125, रविंद्र जडेजा नाबाद 104 और के एल राहुल 100 की शतकीय पारियों की सहायता से भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में पांच विकेट पर 448 रन बनाकर शिकंजा कस दिया। वहीं वेस्टइंडीज की टीम अपनी पहली पारी में 162 रन ही बना पायी थी। इस प्रकार पारी के आधार पर भारतीय टीम को 286 रनों की अच्छी खासी बढ़त मिल गयी है। मैच के दूसरे दिन भी भारतीय बल्लेबाज हावी रहे। जडेजा और जुरेल ने पांचवें विकेट के लिए 206 रन की साझेदारी कर वेस्टइंडीज के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के सयम जडेजा नाबाद 104 और वाशिंगटन सुंदर 9 क्रीज पर मौजूद थे। वेस्टइंडीज की ओर से केवल कप्तान रोस्टन चेज ही दो विकेट ले पाये।

राहुल ने इस मैच में अपना 11 शतक पूरा किया। घरेलू सरजमीं पर यह राहुल का दूसरा टेस्ट शतक है। भारतीय टीम की ओर से कप्तान शुभमन गिल 100 गेंद में 50 रन बनाकर चेज की गेंद पर आउअ हुए।

वहीं पहले दिन वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की थी। भारतीय तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के सामने वेस्टइंडीज के बल्लेबाज टिक नहीं पाये और पूरी टीम 162 रन ही बना पायी। सिराज ने 4 जबकि बुमराह 3 विकेट अपने नाम किए। इसके अलावा कुलदीप यादव और वाशिंगटन सुंदर ने 2 और एक विकेट लिया। वेस्टइंडीज की तरफ से जस्टिन ग्रीव्स ने सबसे अधिकि 32 रन बनाये।

सिराज ने बनाया रिकार्ड

सिराज ने इस मैच में चार विकेट लेकर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। वह इस साल 30 टेस्ट विकेट लेने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप देशों के पहले गेंदबाज बन गए, उन्होंने मिशेल स्टार्क को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 29 विकेट लिए हैं।

भारत 'ए' महिला हॉकी टीम पांच मैचों के लिए चीन का दौरा करेगी, इन खिलाड़ियों को मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत 'ए' महिला हॉकी टीम चीन के दौरे पर 13 से 21 अक्टूबर तक लियाओनिंग टीम के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला खेलेगी। ये सभी मुकाबले दालियान के लियाओनिंग स्पोर्ट्स सेंटर में आयोजित किए जाएंगे।

यह दौरा भारतीय महिला हॉकी के भविष्य के लिए एक अहम कदम माना जा रहा है, जिसमें उभरती हुई खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय अनुभव और मैच अभ्यास हासिल कर सकेंगी। आठ दिन के इस दौरे पर टीम 13, 15, 17, 19 और 21 अक्टूबर को लियाओनिंग टीम को चुनौती देगी। इस दौरे का लक्ष्य युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में खुद को परखने और नयी चुनौतियों के लिए तैयार करने का मौका देना है।

अनुभवी डिफेंडर मनीषा चौहान टीम की कमान संभालेंगी जबकि भारतीय महिला हॉकी टीम के विश्लेषणात्मक कोच डेव स्मोलेनार्स इस दौरे के लिए मुख्य कोच की भूमिका निभाएंगे। स्मोलेनार्स ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, 'हमने एक मजबूत और युवा टीम तैयार की है जिसमें जबरदस्त संभावनाएं हैं। चीन में होने वाली यह श्रृंखला खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने नए माहौल में सीखने और अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त करने का शानदार मौका देगी।'

भारत 'ए' टीम

गोलकीपर : बंसारी सोलंकी, माधुरी किंडो

डिफेंडर : मनीषा चौहान, अक्षता अबासो ढेकाले, ज्योति छत्री, महिमा चौधरी, अंजना डुंगडुंग

मिडफील्डर : सुजाता कुजूर, दीपिका सोरेंग, अजमीना कुजूर, पूजा यादव, बलजीत कौर, दीपी मोनिका टोप्पो

फॉरवर्ड : अलबेला रानी टोप्पो, रितिका सिंह, अन्नू, चंदना जगदीशा, काजल सदाशिव अटपडकर, सेलेस्टिना होरो।

रवींद्र जडेजा ने धोनी को पीछे छोड़ा, टेस्ट में चौथे सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में एक नई उपलब्धि दर्ज की है। उन्होंने अहमदाबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच के दौरान चार छक्के जड़कर पूर्व कप्तान एमएस धोनी के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। अब जडेजा टेस्ट में भारत के लिए चौथे सबसे ज़्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इस प्रदर्शन ने उन्हें भारतीय क्रिकेट के ताबड़तोड़ आक्रामक बल्लेबाजों की सूची में ऊंचा स्थान दिलाया।

जडेजा का रिकॉर्ड

36 वर्षीय जडेजा ने इस मैच में चार छक्के लगाए और अपने टेस्ट करियर में कुल 79 छक्कों तक पहुंच गए। यह संख्या एमएस धोनी के 78 छक्कों को पार कर गई। जडेजा ने अपनी आक्रामक पारी और निरंतर छक्कों की क्षमता से टीम के लिए दबाव बनाने का काम किया।

भारत में सबसे ज़्यादा छक्के

भारतीय टेस्ट क्रिकेट में जडेजा से अधिक छक्के केवल तीन बल्लेबाजों ने लगाए हैं: वीरेंद्र सहवाग (91), ऋषभ पंत (90) और रोहित शर्मा (88)। जडेजा ने यह मुकाम अपने आक्रामक बल्लेबाज़ी अंदाज़ और बड़े शॉट खेलने की कुशल तकनीक से हासिल किया।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तुलना

विश्व टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज़्यादा छक्के इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के नाम हैं, जिन्होंने 179 पारियों में 136 छक्के जड़े। इसके बाद ब्रेंडन मैकुलम (107 छक्के) और एडम गिलक्रिस्ट (100 छक्के) का स्थान है।

महिला विश्व कपः इंग्लैंड की धमाकेदार शुरूआत, द. अफ्रीका को 69 रन पर ढेर कर दर्ज की बड़ी जीत

गुवाहाटी (एजेंसी)। लिंसे स्मिथ की अगुवाई में स्पिनरों के अथक प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका को 10 विकेट से हराकर आईसीसी महिला विश्व कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। स्मिथ की अगुवाई में इंग्लैंड के गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका को महज 69 रनों पर ढेर कर दिया जिसके बाद मैच का नतीजा लगभग तय था। स्मिथ ने इस मैच में 7 रन देकर 3 विकेट लिए।

इंग्लैंड ने सलामी बल्लेबाज एमी जोन्स (40) और टैमी ब्यूमोंट (21) की बदौलत बिना किसी परेशानी के महज 14.1 ओवर में जीत हासिल कर ली। दक्षिण अफ्रीका की पारी की तरह गेंदबाजों ने भी थोड़ी स्विंग और धार दिखाई, लेकिन इंग्लैंड की बल्लेबाज कोई भी नई पारी खेलने के मूड में नहीं थीं। अनुभवी तेज गेंदबाज मारिजैन कैप ने ब्यूमोंट को कुछ बेहतरीन गेंदबाज़ी की, लेकिन इतने अकेले गेंदबाजों के दम पर इस लक्ष्य का बचाव नहीं किया जा सकता था।

इंग्लैंड के स्पिनर स्मिथ, सोफी एक्लेस्टोन (2/19) और चार्ली डीन (2/14) - असली हीरो साबित हुई जिन्होंने अपने बल्लेबाजों के लिए लक्ष्य का अविश्वसनीय रूप से आसान पीछा तैयार किया। बाएं हाथ की स्पिनर स्मिथ ने तीन विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया और दक्षिण अफ्रीका को आईसीसी महिला विश्व कप में अपने दूसरे सबसे कम स्कोर पर समेट दिया। गेंदबाजों की पकड़ वाली पिच पर इंग्लैंड ने, जिसने क्षेत्ररक्षण का फैसला किया, दूसरे ओवर में ही स्मिथ (4-2-7-3) को गेंद थमा दी और इस कदम का तुरंत फायदा हुआ। स्मिथ ने दूसरे ओवर की दूसरी ही गेंद पर एक आसान रिटर्न कैच लपककर दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्डट को आउट कर दिया। स्मिथ ने चौथे ओवर में वापसी करते हुए ताजमिन ब्रिट्स को एक कोण से आती हुई गेंद पर आउट किया और छठे ओवर में उन्होंने अनुभवी कप्प को आउट कर दिया।

कप्प का आगे की ओर किया गया प्रयास गेंद तक नहीं पहुंच पाया और स्मिथ की गेंद स्टंप्स पर जा लगी। तेज गेंदबाज लॉरेन बेल ने सुने लुस को आउट किया और दक्षिण अफ्रीका पहले छह ओवरों में ही 19 रन पर चार विकेट खोकर लड़खड़ा रहा था, और वे उस स्थिति से कभी उबर नहीं पाए। दक्षिण अफ्रीका की कैप, लूक और ब्रिट के आउट होने के बाद मध्यक्रम के बल्लेबाजों पर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने का पूरा दबाव था। लेकिन वे इस चुनौती को पूरा नहीं कर पाए और थोड़ी सुस्त पिच और सटीक इंग्लैंड के गेंदबाज़ों के आगे घुटने टेक दिए।

इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट (2/5) ने क्लो ट्रायोन और नादिन डी क्लार्क को आउट करके दक्षिण अफ्रीका की मुश्किलें और बढ़ा दीं और इस तरह देर से वापसी की कोई भी संभावना भी खत्म हो गई। दक्षिण अफ्रीकी पारी में केवल सिनालो जाफ्टा ही दो अंकों का आंकड़ा पार कर पाए, जिससे पता चलता है कि उस दिन उनकी कितनी मुश्किलें थीं। विकेटकीपर बल्लेबाज जाफ्ता (22) ने कुछ संघर्ष दिखाया, लेकिन वह दक्षिण अफ्रीका को आईसीसी के सबसे बड़े टूर्नामेंट में अपने न्यूनतम स्कोर 51 पर सिमटने से बचा सकीं।

शुभमन ने की गावस्कर के 47 साल पहले बनाये रिकार्ड की बराबरी

अहमदाबाद। भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी संभालने के बाद से ही शुभमन गिल छाये हुए हैं। अब शुभमन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में अपनी अर्धशतकीय पारी के साथ ही कप्तान के तौर पर 47 साल पुराने सुनील गावस्कर के रिकार्ड की बराबरी की है। गावस्कर ने साल 1978 में अपने पहले घरेलू टेस्ट में अर्धशतक जमाया था और अब शुभमन ने भी घरेलू धरती पर कप्तानी करते हुए अपने पहले ही मैच में अर्धशतक लगाया है। शुभमन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 91 गेंदों पर अपना अर्धशतक लगाया। इससे कप्तान के तौर पर उनका मनोबल और बढ़ा है। अर्धशतक के बाद शुभमन ने तेजी से रन बनाये पर रोस्टन चेज़ की गेंद पर रिवर्स स्वीप के प्रयास में 57 रन बनाने के बाद भी आउट हो गए। इससे पहले शुभमन ने इंग्लैंड दौरे में अपने 5 मैचों में 754 रन बनाए थे।

बुमराह ने बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां पहले ही क्रिकेट टेस्ट मैच में एक अहम उपलब्धि हासिल की है। बुमराह ने पहली पारी में 42 रन देकर तीन विकेट लेने के साथ ही अपनी ही धरती पर 50 विकेट पूरे किए। बुमराह ने ये विकेट केवल 13 मैचों में ही हासिल किए। भारतीय धरती पर बुमराह का औसत 17 विकेट है। टेस्ट क्रिकेट इतिहास में 50 से अधिक विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाजों में ये सबसे अच्छा औसत है। पिछले 113 साल में दुनिया में कोई भी खिलाड़ी इस मामले में बुमराह से बेहतर नहीं कर पाया।

बुमराह से बेहतर औसत वाले तीन खिलाड़ियों में से दो ने 19वीं सदी में खेला था। वहीं 21वीं सदी में खेलने वाले एकमात्र खिलाड़ी सिडनी बार्न्स थे। बुमराह का घरेलू स्ट्राइक रेट 35.1 है, ये इतिहास में तीसरा सबसे अच्छा है। वहीं दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के मार्को जैनसन 33.8 और पहले नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के कागिसो रबाडा 35.00 हैं। इसके अलावा, बुमराह टेस्ट क्रिकेट में 200 से अधिक विकेट लेने वाले एकमात्र गेंदबाज हैं जिनका औसत 20 से कम 19.74 है।

मीराबाई चानू ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में रचा इतिहास, 199 किग्रा का वजन उठाकर अपने नाम किया सिल्वर मेडल

फोर्डे (नॉर्वे) (एजेंसी)। भारत की स्टार महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने नार्वे के फोर्डे में जारी वर्ल्ड चैंपियनशिप में इतिहास रच दिया है। उन्होंने इस प्रतियोगिता में 199 किग्रा का वजन उठाकर सिल्वर मेडल अपने नाम किया है। अब आखिरकार इस प्रतियोगिता में उनका ये तीसरा मेडल है। वह कुंजारानी देवी और कर्णम मल्लेश्वरी के बाद दो से ज्यादा वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल जीतने वाली तीसरी भारतीय वेटलिफ्टर बन गई हैं।

बता दें कि, मीराबाई पिछले कुछ सालों में मानसिक और शारीरिक तना से काफी जूझ रही थीं। पेरिस ओलंपिक और उससे पहले एशियन गेम्स 2023 में चौथे स्थान पर रहते हुए निराशा उनके हाथ लगी थी। 48 किग्रा वर्ग में मीराबाई ने स्नैच में 84 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 115 किलोग्राम समेत कुल 199 किग्रा का भार उठाते हुए दूसरे स्थान पर कब्जा किया। वह उत्तर कोरिया कि रि सोंग गुम से पीछे रह गईं और गोल्ड मेडल जीतने से चूक गईं। रि सोंग ने कुल 213 किलो का भार उठाकर गोल्ड अपने नाम किया। जबकि चीन की थान्याथन ने ब्रॉन्जमेडल जीता। स्नैच राउंड के बाद चीन की वेटलिफ्टर मीराबाई चानू से 4 किलोग्राम आगे चल रही थीं। लेकिन क्लीन एंड जर्क में मीराबाई ने कमाल किया और 1 किलो की कुल लीड से सिल्वर मेडल भारत की झोली में डाल दिया। वहीं मीराबाई आखिरी बार टोक्यो ओलंपिक में दिखी थीं। जहां उन्होंने 115 किलोग्राम का भार क्लीन एंड जर्क में उठाया था। वहां भी उन्होंने सिल्वर मेडल जीता था। उसके बाद पिछले चार सालों में वह लगातार चोट और सर्जरी से गुजर रही हैं। हालांकि, 2022 वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी उन्होंने सिल्वर मेडल जीता था। वर्ल्ड चैंपियनशिप के मंच पर सिल्वर मेडल जीतने के बाद वह प्लेटफॉर्म से सीधा अपने कोच विजय शर्मा के पास गईं और उनका धन्यवाद किया।

गगनजीत भुल्लर जकार्ता इंटरनेशनल चैंपियनशिप में दूसरे स्थान पर पहुंचे

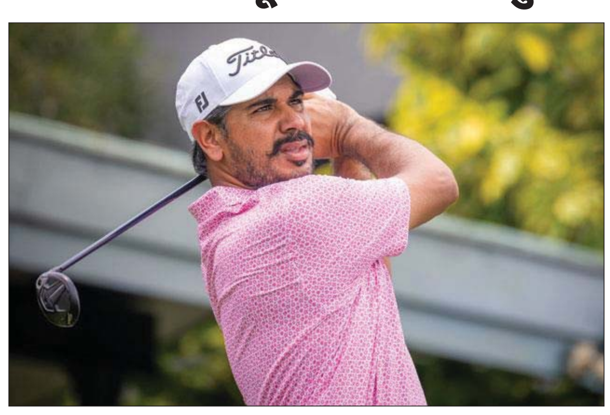

जकार्ता। भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर वर्षा से बाधित जकार्ता इंटरनेशनल चैंपियनशिप के शुरुआती दो दौर में एक समान पांच अंडर 65 का कार्ड खेल शुक्रवार को दूसरे स्थान पर रहे। भुल्लर अब थाईलैंड के पावित टांगकमोलप्रासर्ट (64-65) से सिर्फ एक शॉट पीछे हैं, हालांकि दूसरे दिन का खेल अभी पूरा नहीं हुआ है। 37 साल के खिलाड़ी ने पहले दौर की शुरुआत ईगल के साथ की, लेकिन अंधेरा होने के कारण पहने दिन का खेल पूरा नहीं कर पाये। उन्होंने शुक्रवार को सुबह अपने पहले दौर को पूरा किया और फिर दूसरे दौर के बाद अपना कुल स्कोर 10 अंडर कर लिया। भुल्लर के एशियन टूर पर कुल 11 खिताब हैं, जिनमें से पांच जीतें उन्होंने इंडोनेशिया में हासिल की हैं। अब वह इस देश में अपनी छठी जीत की तलाश में हैं। अन्य भारतीयों में एस. चिक्कारंगप्पा ने पहले राउंड में 69 और दूसरे में 67 का स्कोर किया। वह संयुक्त 26वें स्थान पर है। राहिल गंगजी, खालिन जोशी, विराज मडप्पा, करणदीप कोचर और अजीतेश संधू, एसएसपी चौरसिया और युवराज संधू का दूसरे दौर का खेल खत्म नहीं हुआ है।

यूरोपा लीग : रोमा ने तीन बार पेनल्टी गंवाई, लिली ने 1-0 से हराया

रोम। रोमा ने मैच के आखिर मिनटों में पेनल्टी स्पॉट से लगातार तीन प्रयास गंवा दिए जिससे लिली ने यूरोपा लीग फुटबॉल में इटली की इस क्लब को 1-0 से हरा दिया। रोमा को मुकाबले में बराबरी करने के लिए स्पॉट से तीन मौके दिये गये लेकिन आर्टेम डोवबिक के शुरुआती दो प्रयास पर गोलकीपर बर्क ओजर ने शानदार बचाव किया। रेफरी ने गोल पोस्ट के पास अधिक खिलाड़ियों की मौजूदगी के कारण फिर से पेनल्टी का आदेश दिया। रोमा ने इस बार पेनल्टी लेने के लिए माटियास सोले को चुना लेकिन ओजर ने उनके प्रयास को भी विफल कर दिया। इससे पहले मैच के छठे मिनट में हाकोन अर्नार हेराल्डसन ने गोल कर फ्रांस की इस टीम का खाता खोला। लिली की यह दो मैचों में लगातार दूसरी जीत है। अन्य मैचों में ब्रागा ने सेल्टिक और रीयाल बेटिस ने लुडोगोरेट्स को एक समान 2-0 से हराया। केरेम अकतुर्कोग्लू के दो गोल की मदद से फेनरबाचे ने नीस पर 2-1 से जीत दर्ज की। गो अहेड ईगल्स ने इसी अंतर से पैनाथिनाइकोस को हराया। टीम के लिए दोनों गोल मिलान स्मिट ने किये। चेक रिपब्लिक क्लब विक्टोरिया प्लजेन ने स्वीडिश क्लब माल्मो पर 3-0 से अपनी पहली जीत दर्ज की।

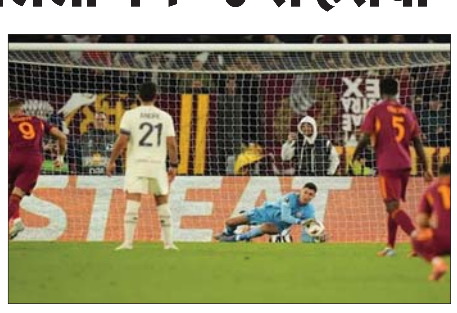

ऋषभ गोल्फ खेलते दिखे

नई दिल्ली। इंग्लैंड दौर में चोटिल होने के बाद से ही भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत आजकल गोल्फ खेलकर समय बिता रहे हैं। ऋषभ का गोल्फ खेलते हुए का एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। उन्हें अभी तक फिटनेस हासिल नहीं करने के कारण ही वेस्टइंडीज के खिलाफ भी टीम में शामिल नहीं किया गया है। अभी उनकी जगह पर युवा ध्रुव जुरेल को विकेटकीपर एक तौर पर रखा गया है। ऋषभ जुलाई में इंग्लैंड दौरे के समय ही पैर की चोट के कारण बाहर हो गए थे। इस क्रिकेटर ने सोशल मीडिया में एक लिखा- फ्रगेंद हर जगह गई। सिवाय इसके की जहां उसे चाहिए था। वीडियो में वह गेंद को पुट करने का प्रयास कर रहे हैं, वहीं अंत में होल में डालने के बाद उत्साहित नजर आये। वह चोटिल होने के कारण ही वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में भी वापसी नहीं कर पाये। अब माना जा रहा है कि इस माह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में वह वापसी कर सकते हैं।

संन्यास के बारे में नहीं सोच रही, मेरा ध्यान मानसिक मजबूती पर : तीरंदाज दीपिका कुमारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चार बार की ओलंपियन तीरंदाज दीपिका कुमारी ने संन्यास की योजनाओं को खारिज करते हुए कहा कि वह लॉस एंजिलिस ओलंपिक में देश के प्रतिनिधित्व के लक्ष्य के साथ दबाव वाली परिस्थितियों से निपटने के लिए मानसिक मजबूती बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के समय दीपिका की उम्र 34 साल हो जायेगी। उन्होंने शुक्रवार को यहां कहा कि यह ओलंपिक में उनके लिए आखिरी मौका होगा ऐसे में उनकी मानसिकता 'करो या मरो' की होगी।

दीपिका ने यहां तीरंदाजी प्रीमियर लीग के शुरुआती दिन कहा, 'यह मेरे करियर का अंतिम चरण नहीं है। मैंने अभी इस बारे में फैसला नहीं किया है। मुझे लगता है अब तक की सभी प्रतियोगिताओं से मुझे अच्छा अनुभव मिला है।' दीपिका ने बताया कि उनकी मौजूदा ट्रेनिंग में मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं को बेहतर करने पर काम हो रहा है। इस

अनुभवी तीरंदाज ने कहा, 'मैं अपने खेल के मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं पर काम कर रही हूं और यह लीग मुझे और बेहतर बनाने में मदद कर रही है। दर्शकों के सामने खेलने से दबाव तो आता है, लेकिन यही दबाव खिलाड़ियों को बेहतर बनाने में मदद करता है।' उन्होंने कहा, 'मैं हर तकनीक में महारत हासिल करने की कोशिश कर रही हूं। मुझे पहले भी टूर्नामेंट के अहम मैचों में अक्सर मानसिक रूप से परेशानी होती रही है, जिसकी वजह से परिणाम मेरे पक्ष में नहीं आते थे।'

उन्होंने कहा, 'मैं विभिन्न तरह की परिस्थितियों को मन में सोच कर अभ्यास कर रही हूं, मानसिक प्रशिक्षण ले रहा हूं। मैं हर समय इस खेल के बारे में सोच रही हूं। मैं कड़ी मेहनत कर रही हूं।' दीपिका ने ओलंपिक खेलों में कंपाउंड तीरंदाजी को शामिल किए जाने का स्वागत करते हुए कहा कि इससे भारत की पदक की संभावनाएं काफी बढ़ जाएंगी। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं क्योंकि कंपाउंड तीरंदाजी अब ओलंपिक का हिस्सा है। हर कोई सोच रहा था कि यह कब होगा और आखिरकार हो ही गया। कई टूर्नामेंटों में हमारे पदकों की संख्या पहले ही बढ़ चुकी है और हमारी कंपाउंड टीम बहुत मजबूत है।'

दीपिका ने भारत में आयोजित हो रही पहली तीरंदाजी प्रीमियर लीग की भी सराहना करते हुए कहा कि लंबे समय से ऐसे कदम की जरूरत थी और इससे देश के तीरंदाजों को काफी फायदा होगा। उन्होंने कहा, ''हम यहीं भारत में एक टूर्नामेंट खेल रहे हैं और मैं बहुत उत्साहित हूं क्योंकि पहली बार ऐसी लीग शुरू हुई है। हम इसका लंबे समय से इंतज़ार कर रहे थे।'

केंद्र ने फार्मा-मेडटेक क्षेत्र में पीआरआईपी योजना के तहत उद्योग और स्टार्टअप परियोजनाओं के लिए प्रस्ताव किए आमंत्रित

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने फार्मा-मेडटेक क्षेत्र में अनुसंधान एवं नवाचार संवर्धन (पीआरआईपी) योजना के तहत उद्योग और स्टार्टअप परियोजनाओं के लिए लगभग 11,000 करोड़ रुपए के प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं।

औषधि विभाग ने अपनी पीआरआईपी योजना के तहत अनुसंधान एवं नवाचार परियोजनाओं के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह योजना इस क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी और इनोवेशन-संचालित क्षेत्र में बदलने की एक ऐतिहासिक पहल है।

5,000 करोड़ रुपए के स्वीकृत परिव्यय के साथ, इस योजना से नई दवाओं, जटिल जेनेरिक दवाओं, बायोसिमिलर और नए चिकित्सा उपकरणों में लगभग 11,000 करोड़ रुपए के कुल अनुसंधान एवं विकास निवेश वाली लगभग 300 परियोजनाओं को समर्थन देकर फार्मा-मेडटेक इनोवेशन पाइपलाइन को गति मिलने की उम्मीद है।

विभाग ने पहले अधिसूचित योजना में संशोधनों को अधिसूचित किया है और संशोधित दिशानिर्देश जारी किए हैं। संशोधित योजना के तहत, प्रारंभिक चरण की परियोजनाओं के लिए, एमएसएमई और स्टार्टअप 5 करोड़ रुपए तक की सहायता के लिए 9 करोड़ रुपए तक की लागत वाली परियोजनाओं के लिए आवेदन कर सकते हैं।

बाद के चरण की परियोजनाओं के लिए, उद्योग, एमएसएमई और स्टार्टअप्स की 285 करोड़ रुपए तक की लागत वाली परियोजनाएं 100 करोड़ रुपए तक की सहायता के लिए आवेदन कर सकती हैं।

प्रारंभिक चरण की परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता का पैमाना 1 करोड़ रुपए तक की लागत के लिए 100 प्रतिशत और 1 करोड़ रुपए से अधिक की अतिरिक्त लागत का 50 प्रतिशत है, जो अधिकतम 5 करोड़ रुपए तक सीमित है।

बाद के चरण की परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता का पैमाना परियोजना लागत का 35 प्रतिशत है, जो अधिकतम 100 करोड़ रुपए तक सीमित है।

इसके अलावा, उच्च सार्वजनिक स्वास्थ्य महत्व वाले लेकिन अपेक्षाकृत कम बाजार क्षमता वाले क्षेत्रों में भारत के स्वास्थ्य सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से, संशोधित योजना में प्रावधान है कि बाद के चरण की परियोजनाओं के लिए सहायता 50 प्रतिशत तक हो सकती है, जो अधिकतम 100 करोड़ रुपए तक सीमित है।

ग्राहकों के लिए सुलभ है भारत की 5 सबसे सस्ती कारें

नई दिल्ली

पहले डुअल क्लच ट्रांसमिशन (डीसीटी) सुविधा महंगी कारों तक ही सीमित थी, लेकिन अब आम लोगों के लिए भी यह सुलभ हो गई है। इसकी शुरुआत टाटा अल्ट्रोज डीसीटी करता है।

इसका एक्स-शोरूम प्राइस लगभग रुपए 9.42 लाख है। 1.2 लीटर पेट्रोल इंजन और 6-स्पीड डीसीटी गियरबॉक्स के साथ यह कार 18 केएमपीएल तक का माइलेज देती है। मजबूत बिल्ड और स्मूद राइड के कारण यह सबसे सस्ती डीसीटी कार मानी जाती है।

किआ सोनेट डीसीटी में 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन और 7-स्पीड डीसीटी गियरबॉक्स मिलता है। इसकी कीमत रुपए 11.60 लाख से रुपए 13.65 लाख तक है और यह 18.31 केएमपीएल का माइलेज देती है।

स्टाइलिश डिजाइन और बेहतर टॉर्क इसे एसयूवी प्रेमियों में लोकप्रिय बनाता है। टाटा नेक्सन डीसीटी का एक्स-शोरूम प्राइस रुपए 11.16 लाख है। 1.2 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन के साथ यह कार 17.18 केएमपीएल का माइलेज देती है।

नेक्सन 5-स्टार एनकैप सेफ्टी रेटिंग प्राप्त करने वाली पहली भारतीय एसयूवी है, जो दमदार रोड प्रेजेंस और फीचर्स के साथ आती है। हुंडई वेन्यू डीसीटी 1.0 लीटर टर्बो इंजन और 7-स्पीड डीसीटी से लैस है। इसकी कीमत रुपए 10.93 लाख से शुरू होती है और यह 18.31केएमपीएल तक का माइलेज देती है। प्रीमियम इंटीरियर और आरामदायक राइड इसे कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में पसंदीदा बनाते हैं। हुंडई आई20 एनलाइन डीसीटी में भी 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन और 7-स्पीड डीसीटी गियरबॉक्स है। इसकी कीमत रुपए 10.23 लाख से रुपए 11.60 लाख तक है। कंपनी दावा करती है कि यह 20.2 केएमपीएल तक का माइलेज देती है।

स्पोर्टी लुक, डुअल एग्जॉस्ट और ऑल-ब्लैक इंटीरियर इसे युवाओं में खास बनाते हैं।

मेक इन इंडिया खतरे में 0% GST ने भारतीय नोटबुक उद्योग को किया बर्बाद

शिक्षा को सस्ता करने का फैसला बना अभिशाप, कच्चे माल पर 18% टैक्स और आसियान आयात पर शून्य ड्यूटी से लाखों रोजगार संकट में

मुंबई/इंदौर

एक तरफ भारत सरकार जीएसटी 2.0 सुधारों के तहत आर्थिक विकास का दावा कर रही है, वहीं दूसरी तरफ ऑल इंडिया नोटबुक मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ने 0% जीएसटी और आसियान (ASEAN) मुक्त व्यापार समझौते के घातक संयोजन पर कड़ी चिंता जताई है। एसोसिएशन का कहना है कि यह नीति भारतीय नोटबुक उद्योग के लिए विनाशकारी साबित हो रही है और प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया संकल्प के विपरीत है। कर प्रणाली का घातक असंतुलनएसोसिएशन ने सरकार को भेजे पत्र में स्पष्ट किया है कि नोटबुक पर 0त्न जीएसटी और आसियान एफटीए के तहत इंडोनेशिया, थाईलैंड और मलेशिया जैसे देशों से आयातित नोटबुक पर 0% कस्टम ड्यूटी के कारण यह उद्योग अस्तित्व के संकट से जूझ रहा है। ड्यूटी-मुक्त आयात 0% जीएसटी के कारण, इन आयातित उत्पादों पर आईजीएसटी (IGST) भी नहीं लग रहा है, जिससे ये पूरी तरह से ड्यूटी मुक्त होकर भारतीय उत्पादों की तुलना में अत्यधिक सस्ते हो जाते हैं। घरेलू निर्माताओं पर दोहरी मार भारतीय नोटबुक निर्माताओं को अपने कच्चे माल जैसे पेपरबोर्ड, गोंद, तार, पैकेजिंग सामग्री आदि पर 18त्न जीएसटी वहन करना पड़ता है, लेकिन उत्पाद पर 0% जीएसटी होने के कारण उन्हें इसका इनपुट टैक्स केडिट (ITC) नहीं मिलता। लागत में वृद्धि नोटबुक निर्माण में उपयोग होने वाला कोटेड पेपरबोर्ड जिस पर पहले 12% जीएसटी था, अब बढ़कर 18% हो गया है, जिससे घरेलू उत्पादन की लागत और बढ़ गई है। रोजगार और MSME पर सीधा हमला यह उद्योग मुख्यतः श्रम-प्रधान और लघु-स्तरीय (MSME) है, जो ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में लाखों लोगों को रोजगार देता है। इंडोनेशिया जैसे दुनिया के सबसे बड़े पेपर उत्पादक देशों से सस्ते आयात की बाढ़ ने भारतीय उद्योगों के लिए अस्तित्व का संकट पैदा कर दिया है। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि स्थिति नहीं सुधरी तो बड़े पैमाने पर बेरोजगारी, निवेश का नुकसान, और विदेशी मुद्रा पर प्रतिकूल असर पड़ना निश्चित है।

ओएसएम ने दुनिया का पहला बिना ड्राइवर वाला इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर किया लॉन्च

चेयरमैन बोले–अब ऑटोनॉमस व्हीकल कोई सपना नहीं, बल्कि आज की जरूरत

नई दिल्ली

भारतीय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सेक्टर में आज इतिहास रच दिया। ओमेगा सीकी मोबिलिटी (ओएसएम) ने दुनिया का पहला ऑटोनॉमस यानी बिना ड्राइवर वाला इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर लॉन्च किया है। इसकी कीमत सिर्फ 4 लाख रुपए से शुरू है। ये व्हीकल अब कमर्शियल इस्तेमाल के लिए तैयार है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओएमएस ने इस थ्री-व्हीलर का नाम 'स्वयंगति' रखा है। इसे ओएसएम के इलेक्ट्रिक प्लेटफॉर्म और एआई-आधारित ऑटोनॉमी सिस्टम पर तैयार किया गया है।

यह शॉर्ट-डिस्टेंस ट्रांसपोर्ट जैसे एयरपोर्ट, स्मार्ट कैंपस, इंडस्ट्रियल पार्क, गेटेड कम्युनिटी और भीड़भाड़ वाले शहरी इलाकों में बिना ड्राइवर के चल सकेगा। वाहन को पहले से मैपिंग करके सेट किया जाता है, ताकि वह तय किए गए रास्ते पर सुरक्षित और सुचारू रूप से चल सके। एक रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक ऑटोनॉमस वाहन बाजार 2030 तक 620 बिलियन डॉलर से ज्यादा का हो जाएगा। ऐसे में 'स्वयंगति' भारत का पहला ऐसा प्रोडक्ट है, जो इस तेजी से बढ़ते ट्रेंड को मैच नहीं, बल्कि लीड करेगा। भारत जैसे देश में जहां ट्रैफिक और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी सबसे बड़ी चुनौती है, वहां यह तकनीक सुरक्षित और किफायती समाधान लेकर आई है।

ओएसएम के फाउंडर और चेयरमैन ने कहा कि स्वयंगति का लॉन्च सिर्फ एक प्रोडक्ट नहीं, बल्कि भारत के ट्रांसपोर्टेशन भविष्य की दिशा तय करने वाला कदम है।

अब ऑटोनॉमस व्हीकल कोई सपना नहीं, बल्कि आज की जरूरत है। यह साबित करता है कि एआई और लिडार जैसी तकनीकें भारत में देश के लिए और सस्ती कीमत पर बनाई जा सकती हैं। ओएसएम के चीफ स्ट्रेटेजी ऑफिसर ने कहा कि हमारा मकसद ऑटोनॉमी को डेमोक्रेटाइज करना है। स्वयंगति ने दिखाया है कि ईवी इंडस्ट्री में इंटेलिजेंट सिस्टम्स को अब रोजमर्रा की मोबिलिटी में लाया जा सकता है। स्वयंगति ने हाल ही में 3 किमी की ऑटोनॉमस रूट टेस्टिंग पूरी की, जिसमें 7 स्टॉप, रीयल-टाइम ऑब्स्टेकल डिटेक्शन और पैसेंजर सेफ्टी शामिल थी।

जीएसटी 2.0 से उत्तर प्रदेश में विकास को मिली रफ्तार, पीतल से लेकर चमड़ा उद्योग को हो रहा फायदा

नई दिल्ली

जीएसटी सुधार ने उत्तर प्रदेश की विविध अर्थव्यवस्था को लक्षित राहत प्रदान की है, जिसमें जीआई-पंजीकृत कालीन, पीतल के बर्तन, जरदोजी, जूते, चीनी मिट्टी के उत्पादन, खेल के सामान और सीमेंट शामिल हैं।

गुरुवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि कम कर दरों से परिवारों की सामर्थ्य में सुधार होगा, कारीगरों पर कार्यशील पूंजी का दबाव कम होगा और घरेलू तथा वैश्विक दोनों बाजारों में एमएसएमई की प्रतिस्पर्धात्मकता मजबूत होगी। जीएसटी में टैक्स की दरें कम होने से भदोही के कालीन, मुरादाबाद के पीतल के बर्तन और सहारनपुर के लकड़ी के सामान के 6-7 प्रतिशत सस्ते होने की उम्मीद है, जिससे निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और लाखों कारीगरों के रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

भदोही-मिर्जापुर-जौनपुर क्षेत्र भारत के सबसे बड़े हाथ से बुने और बुने हुए कालीन क्लस्टर में से एक है। जीएसटी दर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने के बाद, हाथ बने कालीन सस्ते हो गए हैं। कानपुर-आगरा क्षेत्र में 15 लाख श्रमिकों को रोजगार देने वाले चमड़ा और फुटवियर क्लस्टरों को भी जीएसटी दर में कटौती से लाभ मिलेगा, जिससे एमएसएमई की प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार होगा और निर्यात में वृद्धि होगी। जीएसटी सुधारों से उत्तर प्रदेश में लकड़ी के खिलौने और शिल्प क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा, जो पारिवारिक कारीगरों द्वारा संचालित है, जिनमें से कई अपने घरों से काम करते हैं। केवल वाराणसी और चित्रकूट के क्लस्टर लगभग 15,000-25,000 कारीगरों को रोजगार देते हैं, जबकि सहारनपुर में लकड़ी के काम और नक्काशी में लगे हजारों कारीगर रहते हैं। रामपुर भी इस पारंपरिक शिल्प नेटवर्क का हिस्सा है। ये क्लस्टर मेलों, धार्मिक खिलौनों और सजावट के माध्यम से मजबूत घरेलू मांग को पूरा करते हैं, और इनसे यूरोप और खाड़ी देशों तक मामूली निर्यात भी होता है। जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने से खिलौने और छोटे शिल्प सस्ते होने की उम्मीद है।

इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम से 1.41 लाख लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीदः केंद्र

नई दिल्ली इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (ईसीएमएस) से 1.41 लाख लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। यह योजना बनाते समय की गई परिकल्पना 91,600 से करीब 1.5 गुना है। यह जानकारी केंद्र सरकार की ओर से गुरुवार को दी गई। केंद्र सरकार ने एक आधिकारिक दस्तावेज में कहा कि ईसीएमएस के तहत सरकार को 1.15 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जो तय लक्ष्य 59,350 करोड़ रुपए से करीब दो गुना है। ईसीएमएस के लिए एप्लीकेशन विंडो 30 सितंबर को बंद हो गई है। इस योजना का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम में बड़े निवेश आकर्षित करना, क्षमता विकसित करके घरेलू मूल्य संवर्धन (डीएवी) और भारतीय कंपनियों को ग्लोबल वैल्यू चेन (जीवीसी) के साथ इंटीग्रेट करके एक मजबूत कंपोनेंट इकोसिस्टम विकसित करना है। इस स्कीम में सरकार द्वारा भारतीय मैन्युफैक्चरर्स को विभिन्न श्रेणियों के कंपोनेंट्स और सब-असेंबली के लिए अलग-अलग तरह के प्रोत्साहन प्रदान किए जाएंगे, जिससे वे टेक्नोलॉजिकल क्षमताएं और स्केल को हासिल कर पाएं।

इस साल यूपीआई लेनदेन की संख्या 31 फीसदी बढ़कर 19.63 अरब पहुंची

नई दिल्ली इस साल सितंबर में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन की संख्या 31 फीसदी बढ़कर 19.63 अरब हो गई है। साथ ही इन लेनदेन की वैल्यू सालाना आधार पर 21 फीसदी बढ़कर 24.90 लाख करोड़ पर पहुंच गई। यह जानकारी नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन (एनपीसीआई) ने दी। एनपीसीआई के मुताबिक औसत प्रति दिन लेनदेन की वैल्यू सितंबर में बढ़कर 82,991 करोड़ पर पहुंच गई, जो कि अगस्त में 80,177 करोड़ रुपए थी। सितंबर में प्रति दिन औसत 65.4 करोड़ लेनदेन हुए, जो कि अगस्त में औसत 64.5 करोड़ थे। इससे पहले अगस्त में यूपीआई ने पहली बार 20 अरब मासिक लेनदेन का आंकड़ा पार किया था। 2 अगस्त को रिकॉर्ड 70 करोड़ से ज्यादा लेनदेन हुए थे। इसके अलावा एनपीसीआई ने पर्सन-टू-मर्चेंट (पी2एम) लेनदेन की कुछ श्रेणियों के लिए लिमिट को बढ़ाकर 10 लाख रुपए 24 घंटों के लिए कर दिया है। हालांकि एनपीसीआई ने पर्सन-टू-पर्सन के लिए लिमिट को एक लाख रुपए प्रति दिन पर बरकरार रखा था। अब एक लेनदेन में 5 लाख रुपए तक के क्रेडिट कार्ड बिल का भुगतान यूपीआई के जरिए करने की अनुमति है, हालांकि 24 घंटे की सीमा 6 लाख रुपए तय की गई है। नए फ्रेमवर्क के तहत कैपिटल मार्केट और इंश्योरेंस पेमेंट के लिए प्रति लेनदेन सीमा 2 लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर दी गई है, जबकि दैनिक सीमा 10 लाख रुपए है। सरकारी ई-मार्केट प्लेस लेनदेन की सीमा 1 लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए प्रति लेनदेन कर दी गई है। यात्रा बुकिंग, ऋण चुकौती और ईएमआई संग्रह के लिए प्रति लेनदेन सीमा भी एक लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर दी गई है।

स्पेयर टायर हटाना शुरू कर दिया टाटा मोटर्स

नईदिल्ली केंद्रीय मोटर व्हीकल नियमों में बदलाव करके साल 2020 में सरकार ने यह प्रावधान किया था कि पैसेंजर व्हीकल को स्पेयर टायर के साथ बेचने की आवश्यकता नहीं होगी, यदि उसमें ट्यूबलेस टायर, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस) और पंचर रिपेयर किट मौजूद हो। उस समय यह बदलाव थोड़ा असामान्य लगा, लेकिन पांच साल बाद यह प्रथा धीरे-धीरे न सिर्फ प्रीमियम कारों में बल्कि मुख्यधारा की कारों में भी आम हो गई है। यूरोपीय बाजारों में यह वर्षों से चलन में है। टाटा मोटर्स ने अपनी छोटी इलेक्ट्रिक कारों जैसे पंच ईवी और टियागो ईवी के साथ-साथ हैरियर और सफारी पर भी स्पेयर टायर हटाना शुरू कर दिया है। वहीं, मारुति सुज़ुकी ने फ्रोंक्स और ग्रैंड विटारा के कुछ वैरिएंट से स्पेयर हटाया है। उल्लेखनीय है कि सभी वैरिएंट से स्पेयर टायर हटाने का पहला काम मारुति सुज़ुकी विक्टोरिस ने किया। कार से स्पेयर टायर हटाने के पीछे कई कारण हैं। सड़कों की स्थिति में सुधार, बेहतर टायर गुणवत्ता, टीपीएमएस और पंचर रिपेयर किट जैसी तकनीक, और टायर रिपेयर की दुकानों की उपलब्धता इसे संभव बना रही हैं। इसके अलावा, स्पेयर टायर हटाने से वाहन का वजन कम होता है, जिससे ईंधन दक्षता बढ़ती है और स्पेस का उपयोग सीएनजी सिलेंडर जैसे विकल्पों के लिए किया जा सकता है। हालांकि, कुछ कार मालिकों को यह बदलाव पसंद नहीं है, क्योंकि स्पेयर टायर लंबे समय से मोटरिंग सुरक्षा का अहम हिस्सा रहा है। फिर भी, बेहतर क्वालिटी के टायर और टीपीएमएस जैसी तकनीकें अब पहले ही प्रेशर में कमी आने की सूचना दे देती हैं।

रियलमी ने दिए संकेत, प्रशंसक की चाहत बढ़ी अब आगे क्या होगा

नई दिल्ली रियलमी ने एक बार फिर प्रशंसकों और तकनीक प्रेमियों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इसने आगामी सहयोग के बारे में बातचीत और अटकलों को जन्म दे दिया है, जिससे प्रशंसक यह जानना चाहते हैं कि आगे क्या होगा। पिछले कुछ सालों में रियलमी ने इनोवेशन को पॉप संस्कृति के साथ मिलाकर, युवा दर्शकों के साथ प्रतिध्वनित होने वाले यादगार अनुभवों का निर्माण करने वाले ब्रांड के रूप में अपनी छवि बनाई है। यह नया संकेत उसी दिशा में आगे बढ़ता है, जो अपनी कहानियों, पौराणिक पात्रों और शक्ति के प्रतिष्ठित प्रतीकों के लिए प्रसिद्ध एक ऐसे यूनिवर्स के साथ साझेदारी का सुझाव देता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वोंग द्वारा साझा किया गया यह वाक्यांश महाकाव्य युद्धों, शक्तिशाली राजवंशों और ऐसी दुनिया की कल्पना को उजागर करता है जहां रणनीति, डिजाइन और नियति एक साथ आते हैं, यह संकेत देता है कि यह सहयोग जितना कल्पनाशील है, उतना ही मनोरंजक भी हो सकता है। रियलमी ने अभी तक इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है, लेकिन समय और शब्दों के चयन ने प्रशंसकों और मीडिया को अटकलें लगाने पर मजबूर कर दिया है कि यह ब्रांड के अब तक के सबसे महत्वाकांक्षी सहयोगों में से एक हो सकता है। ब्रांड का दृष्टिकोण न केवल तकनीक के प्रति, बल्कि ऐसे अनुभव बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है जो कल्पना को पकड़ें और दुनिया भर के दर्शकों से गहराई से जुड़ें। प्रशंसकों को रियलमी के सोशल चैनलों को बारीकी से फॉलो करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, क्योंकि आने वाले हफ्तों में और भी नए आश्चर्य और संकेत सामने आने की उम्मीद है। यह संभावित सहयोग रियलमी के उस दृष्टिकोण को रेखांकित करता है जिसमें तकनीक को संस्कृति के साथ मिलाकर ऐसे अनुभव प्रदान किए जाते हैं जो अभिनव और अविस्मरणीय दोनों हों।

ईएसआईसी ने अदालती मामलों के निपटारे के लिए नई एमनेस्टी योजना के दिशानिर्देश जारी किए

नई दिल्ली

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने अदालती मामलों के निपटारे और अभियोजन मामलों की वापसी के लिए नई एमनेस्टी योजना 2025 के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस उपाय का उद्देश्य अनुपालन को सरल बनाना और मुकदमेबाजी के बोझ को कम करना है, जिससे व्यापार को आसान बनाया जा सके। एमनेस्टी स्कीम 2025 एक वन-टाइम विवाद समाधान पहल है जिसका उद्देश्य अदालती मामलों के लंबित मामलों को कम करना, ईएसआई अधिनियम के तहत अनुपालन को बढ़ावा देना और व्यापार करने में आसानी को बढ़ाना है।

यह योजना नियोक्ताओं और बीमित व्यक्तियों को अदालतों के बाहर व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से विवादों का निपटारा करने का अवसर प्रदान करती है। यह योजना 1 अक्टूबर से 30 सितंबर, 2026 तक लागू रहेगी। यह योजना बंद और चालू दोनों इकाइयों दोनों के विवादों पर लागू होती है। पांच वर्षों से अधिक समय से बंद इकाइयों के मामले वापस ले लिए जाएंगे, इसमें वे इकाइयां शामिल हैं, जिनके मुकदमे पांच वर्षों से लंबित हैं और जिनका कोई मूल्यांकन नहीं हुआ है। वहीं, पांच वर्षों के अंदर बंद इकाइयों को रिकॉर्ड प्रस्तुत करने होंगे, स्वीकृत बकाया राशि ब्याज सहित चुकानी होगी और वे किसी भी नुकसान के लिए उत्तरदायी नहीं होंगी। चल रही इकाइयां अपने दावों के समर्थन में रिकॉर्ड प्रस्तुत करके भी विवादों का निपटारा कर सकती हैं और उन पर कोई हर्जाना नहीं लगाया जाएगा। हालांकि, ऐसे मामले जिनमें नियोक्ताओं ने ईएसआईसी पोर्टल पर फॉर्म-01 के माध्यम से स्वेच्छा से पंजीकरण

कराया है, उन्हें इससे बाहर रखा गया है।

विवाद समाधान के लिए एक व्यावहारिक, पारदर्शी और नियोक्ता-अनुकूल तंत्र प्रदान करके, यह योजना प्रक्रियागत बाधाओं को दूर करती है, लंबे समय से लंबित मामलों को तेजी से निपटाने में मदद करती है और हितधारकों के बीच विश्वास पैदा करती है। बयान में कहा गया है कि इससे नियोक्ताओं के लिए परिचालन संबंधी चुनौतियां कम होंगी, अदालतों पर कानूनी बोझ कम होगा और एक प्रगतिशील एवं उत्तरदायी सामाजिक सुरक्षा संस्थान के रूप में ईएसआईसी की भूमिका और मजबूत होगी।

एनआईटीईएस का आरोप, टीसीएस ने पुणे में 2,500 कर्मचारियों को इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया

नई दिल्ली नैसेंट आईटी एम्प्लॉइज सीनेट (एनआईटीईएस) ने टाटा ग्रुप की आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) पर आरोप लगाया है कि कंपनी पुणे में करीब 2,500 कर्मचारियों को इस्तीफा देने के लिए मजबूर कर रही है। एनआईटीईएस एक फोरम है, जो कि आईटी सेक्टर के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करती है। यह आरोप एनआईटीईएस के अध्यक्ष हरप्रीत सिंह सलूजा द्वारा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लिखे गए पत्र में लगाया गया है, जिसमें प्रभावित कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की गई है। एनआईटीईएस के अनुसार, केंद्रीय श्रम मंत्रालय ने महाराष्ट्र के श्रम सचिव से इस मामले की जांच करने को कहा है। हालांकि, सलूजा ने कहा कि जमीनी स्तर पर स्थिति और भी खराब हो गई है, हाल के हफ्तों में पुणे में हजारों कर्मचारियों को कथित तौर पर अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। एनआईटीईएस ने दावा किया कि इनमें से कई कर्मचारी मध्यम से वरिष्ठ स्तर के पेशेवर हैं, जिन्होंने टीसीएस में 10 से 20 साल बिताए हैं, और ज्यादातर की उम्र 40 साल से अधिक है। एनआईटीईएस ने कहा कि मौजूदा बाजार में नई नौकरियां ढूंढ़ना उनके लिए बेहद मुश्किल है, क्योंकि उनके पास होम लोन, स्कूल की फीस और बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल जैसी वित्तीय जिम्मेदारियां हैं।

चालू वित्त वर्ष में आरबीआई से नीतिगत दर में एक और कटौती की उम्मीदः रिपोर्ट

नई दिल्ली क्रिसिल की एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी दरों में कटौती और कच्चे तेल की कम कीमतों के कारण इस वित्त वर्ष में मुद्रास्फीति चिंता का मुख्य विषय नहीं है । रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व (फेड) द्वारा दरों में कटौती की शुरुआत ने आरबीआई के लिए दरों में कटौती की गुंजाइश बढ़ा दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि फेड ने सितंबर में नीतिगत दरों में 25 आधार अंकों की कटौती की थी। एसएंडपी ग्लोबल को उम्मीद है कि कैलेंडर वर्ष 2025 के बाकी बचे समय में 25 आधार अंकों की दो और कटौती की जाएगी और हमें चालू वित्त वर्ष में आरबीआई द्वारा एक और दर कटौती की उम्मीद है। जीएसटी सुधार से मुद्रास्फीति में राहत मिलने की संभावना है, जो इस बात पर निर्भर करेगा कि उत्पादक इस कटौती का लाभ उपभोक्ता कीमतों पर कब डालते हैं। खाद्य और गैर-खाद्य वस्तुओं की एक विस्तृत श्रृंखला पर जीएसटी में कटौती की गई है, जिससे मुद्रास्फीति में महत्वपूर्ण कमी आने की संभावना है।प्रमुख खरीफ फसल उत्पादक राज्यों में अत्यधिक बारिश के कारण खाद्य मुद्रास्फीति को जोखिम का सामना करना पड़ सकता है। इसके बावजूद, पर्याप्त जलाशय स्तर रबी उत्पादन के लिए अच्छा संकेत हैं।

सरकार ने एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग नियमों को तोड़ने के लिए 25 ऑफशोर क्रिप्टो एक्सचेंज को जारी किए नोटिस

नई दिल्ली

फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट ऑफ इंडिया (एफआईयू - आईएनडी) ने 25 ऑफशोर क्रिप्टो एक्सचेंज को एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग नियमों का पालन न करने के लिए नोटिस भेजा है। यह जानकारी वित्त मंत्रालय की ओर से बयान में दी गई। ये नोटिस प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) की धारा 13 के तहत जारी किए गए थे। यह धारा अधिकारियों को जांच शुरू करने, कंपनी के रिकॉर्ड की जांच करने, ग्राहक विवरणों का सत्यापन करने और संदिग्ध लेनदेन पर रिपोर्ट मांगने का अधिकार देती है। नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों पर प्रत्येक उल्लंघन के लिए 1 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। जिन 25 विदेशी कंपनियों को नोटिस जारी किए गए हैं, उनमें सिंगापुर की कॉइनडब्ल्यू, यूके की बीटीसीसी, हांगकांग की चांगेली और अमेरिका की पैक्सफुल शामिल हैं। अन्य कंपनियों में कंबोडिया की हुइओन, अमेरिका और यूके की सीईएक्सडॉटआईओ, ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स की एलबैंक, सेंट लूसिया की प्राइमएक्सबीटी, हांगकांग की कॉइनएक्स, सिंगापुर की रेमीटानो, बोस्टन की पोनोनिएक्स, सेशेल्स की बिटमैक्स और लिकटेंस्टीन की एलसीएक्स शामिल हैं। फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट ऑफ इंडिया ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के तहत अलग-अलग नोटिस भी जारी किए हैं, जिनमें पीएमएलए के तहत उचित पंजीकरण के बिना भारत में चल रहे ऐप्स और वेबसाइटों को हटाने का अनुरोध किया गया है। फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट ऑफ इंडिया की स्थापना 2004 में की गई थी। यह संदिग्ध वित्तीय लेनदेन के बारे में जानकारी एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने के लिए जिम्मेदार मुख्य एजेंसी है। मौजूदा समय में 50 क्रिप्टो वॉलेट फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट ऑफ इंडिया के पास पंजीकृत हैं। हालांकि, कई विदेशी कंपनियां बिना पंजीकरण के भारत में काम कर रही हैं, जिससे वे एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग और काउंटर-फाइनेंशिंग ऑफ टेररिज्म (एएमएल-सीएफटी) ढांचे से बाहर हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि भारतीय यूजर्स को सेवा प्रदान करने वाले सभी क्रिप्टो वॉलेट सर्विस प्रोवाइडर्स (चाहे वे भारत में स्थित हों या विदेश में) को एफआईयू-आईएनडी के साथ पंजीकरण करना होगा।

शहनाज़ का नया गाना 'खंड लगदी' कर रहा है खूब ट्रेंड

सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस शहनाज़ गिल का नया गाना 'खंड लगदी' ट्रेंड कर रहा है, जिसे लेकर उन्होंने वीडियो मैसेज के जरिए खुशी जाहिर की। वीडियो में शहनाज़ कहती नजर आईं, 'मैंने अभी देखा कि हमारा 'खंड लगदी' गाना वायरल हो रहा है, थैंक्यू सो मच। सिंगर जैस्मिन ने भी इस गाने को बहुत अच्छा गाया है। मेरा भी मन कर रहा है गाना गुनगुनाने का, हालांकि मैं उनकी तरह नहीं गा पाऊंगी लेकिन कोशिश कर सकती हूं।' वीडियो शेयर करते हुए शहनाज़ ने कैप्शन में लिखा, 'खंड लगदी दुनिया भर में ट्रेंड कर रहा है। आप सभी के प्यार और रील्स के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद, और मेरी खराब गायकी के लिए माफ करें।' इसके बाद उन्होंने गाने की कुछ लाइनें गुनगुनाईं, जिसे फैंस ने बेहद पसंद किया। उनकी प्यारी और मासूम अदाओं के साथ सिंगिंग का यह अंदाज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। फैंस ने शहनाज़ की इस कोशिश की जमकर तारीफ की। एक यूजर ने लिखा, 'आपकी आवाज में जादू है, हमारी क्वीन शहनाज़ गिल, गॉड ब्लेस यू।' वहीं एक अन्य ने कमेंट किया, 'गाने के लिरिक्स बहुत मुश्किल हैं लेकिन आपने बहुत प्यारा गाया है।' कई फैंस ने उनकी सिंगिंग टैलेंट को सराहते हुए लिखा कि वह एक्टिंग के साथ-साथ सिंगिंग में भी शानदार हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो 'खंड लगदी' शहनाज़ गिल की अपकमिंग पंजाबी फिल्म 'एक कुड़ी' का गाना है। इस फिल्म में वह लीड रोल में नजर आने वाली हैं। पहले फिल्म 19 सितंबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन पंजाब में आई बाढ़ की वजह से रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया। अब यह फिल्म 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

करिश्मा कपूर का रॉयल लुक खूब भा रहा है फैंस को

अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने एक खास वीडियो पोस्ट किया, जिसने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी। करिश्मा वीडियो में पारंपरिक अंदाज में नजर आ रही हैं और उनका रॉयल लुक फैंस को खूब भा रहा है। वीडियो में करिश्मा कपूर पीले रंग की खूबसूरत साड़ी पहने दिखाई दे रही हैं। उनके इस आउटफिट को भारी नेकलेस, झुमके और कड़े ने पूरा किया, जो उनके लुक को और भी आकर्षक बना रहे हैं। उन्होंने बालों को बन में बांधा और उस पर गजरा सजाया, जिससे उनका पारंपरिक लुक और निखरकर सामने आया। उनकी मुस्कान और आत्मविश्वास से भरी अदाएं फैंस का दिल जीत रही हैं। करिश्मा का यह वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। कमेंट बॉक्स में फैंस जमकर उनकी तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'आप बढ़ती उम्र के साथ और भी खूबसूरत होती जा रही हैं।' दूसरे ने लिखा, 'आपने साड़ी को बेहद शालीनता के साथ कैरी किया है, आप किसी राजकुमारी से कम नहीं लग रहीं।' वहीं कई लोगों ने उनकी उम्र पर हैरानी जताते हुए लिखा, 'क्या आप सच में 51 की हैं? यकीन नहीं होता, आप तो अभी भी 25 की लगती हैं।' करिश्मा कपूर 90 के दशक की टॉप एक्ट्रेसेस में शामिल रही हैं और अब भी उनका अंदाज नए कलाकारों को कड़ी टक्कर देता है। फैंस का कहना है कि करिश्मा का स्टाइल और ग्रेस उन्हें हमेशा युवा बनाए रखता है। उनके इस पोस्ट पर लगातार लाइक्स और कमेंट्स बढ़ रहे हैं और सोशल मीडिया पर यह वीडियो चर्चा का विषय बना हुआ है।

अपकमिंग फिल्म 'धमाल-4' को लेकर चर्चा में ईशा गुप्ता

अपनी अपकमिंग फिल्म 'धमाल-4' को लेकर एक्ट्रेस ईशा गुप्ता चर्चा में हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें उनका ग्लैमरस अंदाज देखने को मिला। ईशा पहली तस्वीर में कमर पर हाथ रखकर दिलकश पोज देती नजर आईं, जबकि दूसरी तस्वीर में उनका अलग और स्टाइलिश लुक सामने आया।

इन तस्वीरों ने फैंस का ध्यान खींच लिया और कमेंट बॉक्स में तारीफों की बौछार शुरू हो गई। ईशा गुप्ता ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'जन्नत 2' से की थी, जिसमें वह इमरान हाशमी के साथ नजर आई थीं। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में अपनी एक्टिंग और स्टाइल से पहचान बनाई। अब वह 'धमाल-4' में दिखाई देंगी, जिसे लेकर दर्शकों में खासा उत्साह है। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म का पोस्टर जारी किया, जिसके बाद से फैंस का इंतजार और भी बढ़ गया है। यह फिल्म टी-सीरीज, देवगन फिल्म्स, मारुति इंटरनेशनल और पैनोरमा स्टूडियोज के बैनर तले बनाई जा रही है। निर्देशन की कमान मशहूर फिल्ममेकर इंद्र कुमार के हाथ में है, जबकि अजय देवगन, भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अशोक ठकेरिया, इंद्र कुमार, आनंद पंडित और कुमार मंगत पाठक फिल्म के निर्माता हैं। साल 2011 में डबल धमाल और फिर टोटल धमाल आई, जिन्हें दर्शकों ने भरपूर प्यार दिया। अब धमाल-4 एक बार फिर हंसी और मनोरंजन का डोज देने के लिए तैयार है। यह फिल्म 2026 की ईद पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में अजय देवगन और ईशा गुप्ता के साथ संजय मिश्रा, संजीदा शेख, अंजलि आनंद, उपेंद्र लिमये, विजय पटकर और रवि किशन जैसे शानदार कलाकार भी अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। फैंस का कहना है कि इस बार भी धमाल सीरीज अपनी पुरानी सफलता को दोहराएगी और उन्हें जोरदार कॉमेडी का तोहफा देगी। बता दें कि धमाल फ्रैंचाइजी की शुरुआत साल 2007 में हुई थी, जिसमें संजय दत्त, रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी की जोड़ी ने दर्शकों को खूब हंसाया।

स्त्री-3 फिल्म सुनाएगी स्त्री के बचपन की कहानी

बालीवुड की अपकमिंग फिल्म थामा के साथ ही श्रद्धा कपूर की स्त्री मूवी सीरीज फिर एक बार सुर्खियों में है। बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना इस फिल्म में प्रमुख भूमिका में है। दिनेश विजान के हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स में अब जल्द ही कुछ और नए किरदार जुड़ने जा रहे हैं। एक तरफ जहां थामा का ट्रेलर हाल ही में रिलीज कर दिया गया है, वहीं दूसरी तरफ मैडॉक फिल्म्स ने अपना एनिमेटेड मूवी भी अनाउंस कर दिया है। इसका नाम छोटी स्त्री होगा।

दिलचस्प बात यह है कि छोटी स्त्री की कहानी सीधे स्त्री-3 से कनेक्ट होगी। श्रद्धा कपूर ने आयुष्मान खुराना की फिल्म थामा के ट्रेलर लॉन्च में इस फिल्म को फ्रेंचाइसी से अपना पसंदीदा पार्ट बताया। एक्ट्रेस ने बताया कि यह फिल्म ना सिर्फ एक मजेदार सफर साबित होगी, बल्कि आने वाली फिल्मों के लिए एक भूमिका भी रचेगी। इस बारे में श्रद्धा ने बताया कि इस एनिमेटेड शो को खासतौर पर बच्चों, परिवारों और मैडॉक फिल्म्स के पुराने फैंस को ध्यान में रखकर बनाया गया है। श्रद्धा कपूर ने कहा, जब दिनू (दिनेश विजान) ने मुझे इसके बारे में बताया तो मैंने कहा- सच में आपका नाम दिनेश विजन ही होना चाहिए। प्रोड्यूसर दिनेश विजान ने कन्फर्म किया कि छोटी स्त्री का क्लाइमैक्स सीधे तौर पर स्त्री-3 की कहानी से जुड़ा होगा। दिनेश विजान ने कहा, मजेदार बात यह है कि छोटी स्त्री की आखिर में एक सीन होगा जो सीधे स्त्री-3 से जुड़ा होगा। यह एनिमेशन से लाइव एक्शन में बदल जाएगा, साथ ही आपको यह भी बताएगा कि स्त्री की बैक स्टोरी क्या है। जहां एक तरफ दर्शक यह इंतजार कर रहे थे कि शायद उन्हें स्त्री की बैकस्टोरी स्त्री-3 में देखने को मिलेगी, वहीं मैडॉक फिल्म्स ने इसे एनिमेशन मूवी के जरिए दिखाने का ऐलान करके पूरा गेम ही बदल दिया है।

पिछले 20 साल मेरे लिए दर्द से भरे रहेः रजत बेदी

सालों पहले कई हिट फिल्मों में नजर आने वाले विलेन रजत बेदी को हाल ही में आर्यन खान की डेब्यू सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड में देखा गया। इस सीरीज ने उन्हें एक नई पहचान और दोबारा ऑडियंस का प्यार दिलाया है। लेकिन रजत के लिए पिछले 20 साल दर्द से भरे रहे। इस मुश्किल वक्त में उनकी पत्नी उनके साथ खड़ी रहीं। रजत ने कहा, 'लोग सिर्फ मेरी वापसी देख रहे हैं, लेकिन पिछले 20 साल मेरे लिए दर्द से भरे रहे। मेरी पत्नी ने मेरा साथ नहीं छोड़ा, उन्होंने मेरे संघर्ष में बहुत दुख झेला। आज जब लोग मुझे पहचान रहे हैं, मेरी फैमिली भी इस खुशी को महसूस कर रही है।'

रजत बेदी ने लंबे वक्त तक फिल्मों से दूरी बना ली थी। 2000 के दशक में जब उनका करियर में ठहराव आया, तो उन्होंने एक्टिंग छोड़कर कनाडा जाना पड़ा। रजत ने वहां रियल एस्टेट का बिजनेस शुरू किया। लेकिन यह सफर आसान नहीं रहा। उन्होंने बताया कि बिजनेस में भी कई बार उन्हें धोखाधड़ी और बुरे समय का सामना करना पड़ा। बैड्स ऑफ बॉलीवुड में रजत बेदी ने जरज सक्सेना का किरदार निभाया है। एक ऐसा असफल एक्टर, जो 15 साल तक कॉन्ट्रैक्ट में बंधा रहता है और हर संभव तरीका अपनाकर दोबारा इंडस्ट्री में वापसी करने की कोशिश करता है। दिलचस्प बात ये है कि यह किरदार कहीं न कहीं रजत की असली जिंदगी से मिलता हुआ लग रहा है।

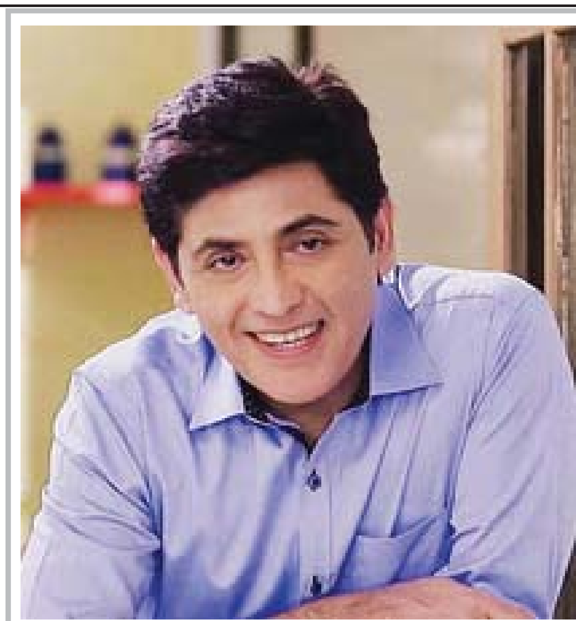

कई बार फीमेल किरदार निभा चुके हैं आसिफ शेख

छोटे परदे के मशहूर अभिनेता आसिफ शेख ने खुलासा किया कि अब तक वह 35 से ज्यादा महिला किरदार निभा चुके हैं। आसिफ ने बताया कि उन्होंने महिला किरदार 21 साल की लड़की से लेकर 86-90 साल तक की बुजुर्ग महिला तक के निभाए हैं। उन्होंने कहा कि यह अपने आप में एक दिलचस्प और चुनौतीपूर्ण अनुभव होता है। किरदार की तैयारी के बारे में बताते हुए आसिफ ने कहा कि उनकी अप्रोच काफी सरल रहती है। निर्देशक उन्हें ट्विस्ट बताते हैं और फिर वह सोचते हैं कि किरदार किस स्थिति में कैसा लगेगा। इसके बाद उनके असिस्टेंट उन्हें रेफरेंस भेजते हैं, जिन्हें मिलाकर किरदार का स्केच तैयार किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस स्केच के आधार पर कॉस्ट्यूम और विग चुने जाते हैं। अंत में किरदार की बोली-भाषा और एक्सेंट तय होता है।

आसिफ के मुताबिक, कभी-कभी किसी महिला किरदार को दिखाने के लिए खास तौर पर उसके बॉडी लैंग्वेज और एटिट्यूड पर काम किया जाता है। जैसे किसी मालिश वाली महिला के किरदार को निभाते समय उन्होंने उसकी चाल-ढाल और हाव-भाव को अलग अंदाज में पेश किया था। वहीं, किसी मॉडर्न और क्लासी लड़की को दर्शाने के लिए स्कर्ट और वेस्टर्न लुक अपनाया।

आसिफ शेख ने सिर्फ 'भाबीजी घर पर हैं' में ही नहीं, बल्कि 'यस बॉस', 'हम आपके हैं इन लॉज', 'एफ.आई.आर.' और कई फिल्मों में भी महिला किरदार निभाए हैं।

इन सभी भूमिकाओं में उनकी अदाकारी को खूब सराहा गया है। आसिफ का मानना है कि किसी भी किरदार को पूरी ईमानदारी और बारीकी से निभाना जरूरी है, चाहे वह महिला हो या पुरुष। शायद यही वजह है कि आज भी वह टीवी की दुनिया में कॉमिक रोल्स के लिए सबसे पसंदीदा एक्टर्स में गिने जाते हैं। बता दें कि अपने सुपरहिट शो 'भाबीजी घर पर हैं' में विभूति नारायण मिश्रा के किरदार से घर-घर में जाने जाते हैं। इस शो में उनका किरदार दर्शकों को खूब हंसाता है, लेकिन इसके पीछे की मेहनत भी कम नहीं होती। कई बार उन्हें कहानी के हिसाब से अलग-अलग लुक अपनाने पड़ते हैं।

बहुप्रतीक्षित क्रिएचर थ्रिलर फिल्म की तैयारी कर रहे सिद्धांत चतुर्वेदी

हाल ही में सिनेमाघरों में धड़क 2 रिलीज़ हुई, जिसके बाद से अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। अब जब यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है, तो एक बार फिर फैंस उनकी एक्टिंग की तारीफ करते नहीं थक रहे। सिद्धांत ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा की, जिसने उनके चाहने वालों की उत्सुकता और बढ़ा दी है। तस्वीर में वह कड़ी ट्रेनिंग करते नज़र आए, लेकिन खास बात उनके हाथ में मौजूद कॉफी कप था, जिस पर देवगन फिल्म्स का लोगो साफ दिखाई दे रहा था। यही वजह है कि इंटरनेट पर अटकलें तेज़ हो गई हैं कि सिद्धांत अजय देवगन की प्रोडक्शन कंपनी की बहुप्रतीक्षित क्रिएचर थ्रिलर फिल्म के लिए तैयारी कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस फिल्म की शूटिंग अक्टूबर से शुरू हो सकती है। 'गली बॉय', 'गहराइयां' और हाल ही में आई धड़क 2 जैसी फिल्मों से अपनी अलग पहचान बनाने वाले सिद्धांत इस बार एक बेहद शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने जा रहे हैं।

'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' रिलीज से पहले सितारों का प्रमोशन

फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' के रिलीज में अब सिर्फ एक दिन बाकी हैं फिल्म 2 अक्टूबर को रिलीज होगी, और पूरी टीम फिल्म को सफल बनाने के लिए जी-जान से जुटी हुई है। वरुण धवन, जाह्नवी कपूर, सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफ लगातार प्रमोशन कर रहे हैं। इसी कड़ी में रोहित सराफ ने एक मजेदार वीडियो शेयर किया है, जिसने सोशल मीडिया पर फैंस का ध्यान खींच लिया है। वीडियो में वरुण, जाह्नवी, सान्या, रोहित और मनीष पॉल लग्जरी कार की सवारी कर रहे हैं और अपनी ही फिल्म के गाने 'बिजुरिया' पर धमाकेदार अंदाज में डांस करते नजर आ रहे हैं। सभी कलाकार अपने-अपने अंदाज में एक्सप्रेशन देते दिखते हैं, लेकिन वीडियो का सबसे मजेदार हिस्सा मनीष पॉल रहे। आखिर तक उनकी कॉमिक टाइमिंग और नटखट अदाएं सारी लाइमलाइट खींच लेती हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए रोहित सराफ ने कैप्शन में लिखा 'हम अपने ही तरीके से नाचते रहेंगेज क्योंकि एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी हैज जाओ अपना टिकट बुक करो।'

बता दें कि फिल्म की एडवांस बुकिंग रविवार से शुरू हो चुकी है और दर्शकों में इसे लेकर अच्छी उत्सुकता देखी जा रही है। फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। हालांकि फिल्म के लिए बॉक्स ऑफिस पर चुनौती भी कम नहीं होगी, क्योंकि इसी दिन ऋषभ शेट्टी की बहुप्रतीक्षित पैन इंडिया फिल्म 'कांतारा- चैप्टर 1' भी रिलीज होने जा रही है। 'कांतारा' जहां करीब 125 करोड़ रुपये के बजट में बनी है और कई भाषाओं में रिलीज होगी, वहीं 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का बजट लगभग 60 करोड़ रुपये है। ऐसे में दोनों फिल्मों के बीच जोरदार टक्कर देखने को मिल सकती है।

वर्क फ्रंट की बात करें तो वरुण धवन और जाह्नवी कपूर की यह दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों 'बवाल' में नजर आए थे। सिनेमाघरों में फिल्म का प्रदर्शन भले ही औसत रहा हो, लेकिन ओटीटी पर इसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। अब देखने वाली बात होगी कि यह नई जोड़ी बड़े परदे पर इस बार कितना धमाल मचाती है और बॉक्स ऑफिस पर कौन सी फिल्म बाजी मारती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in